इंदौर, भोपाल से एक साथ प्रकाशित

# मृदुभाषी

सच्ची ख़बरें, सलीके के साथ



04
हुआंग ने बोर्ड के सामने कबूले और रिश्ते



04
टेलीकॉम स्टार्टअप और MSME के लिए बनेगा समूह

youtube.com/mradubhashi x.com/mradubhashi1 facebook.com/mradubhashi

इंदौर, बुधवार, 25 नवम्बर 2026 नगर संस्करण, वर्ष: 07, अंक: 67, पृष्ठ: 08, मूल्य: 5:00 रूपए

# भोपाल में गन्ना किसानों का धरना पुलिस ने हटाया 80 प्रदर्शनकारियों को बसों में बैठाकर ले गई थाने

**600 रुपये क्विंटल दाम और 50 रुपये बोनस की मांग पर दो दिन से डटे थे किसान, सीएम और केंद्रीय कृषि मंत्री के बीच चर्चा संभव**

मृदुभाषी। भोपाल

राजधानी भोपाल में गन्ने का दाम बढ़ाने की मांग को लेकर दो दिन से धरने पर बैठे किसानों को मंगलवार शाम पुलिस ने कार्रवाई करते हुए धरना स्थल से हटा दिया। होशंगाबाद रोड स्थित वीर सावरकर सेतु के पास सर्विस रोड पर प्रदर्शन कर रहे करीब 80 किसानों को पुलिस दो बसों में बैठाकर कजलीखेड़ा थाने ले गई।

किसान 600 रुपये प्रति क्विंटल गन्ना मूल्य और 50 रुपये बोनस की मांग को लेकर सोमवार रात से ही खुले आसमान के नीचे डटे हुए थे। प्रशासन ने इस कार्रवाई के पीछे सार्वजनिक यातायात और



अनुमति न होने का कारण बताया है। एडीएम महेंद्र सिंह के अनुसार, किसान सार्वजनिक सड़क और सर्विस रोड पर प्रदर्शन कर रहे थे, जबकि आसपास विश्वविद्यालय और एम्स सहित कई प्रमुख अस्पताल होने से आम लोगों को आवाजाही में दिक्कत हो रही थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रदर्शन के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी और प्रशासन ने किसानों को निर्धारित धरना स्थलों पर अनुमति लेकर आंदोलन करने की जानकारी भी दी थी। दूसरी ओर, होशंगाबाद से भी किसानों के भोपाल पहुंचने की सूचना के बाद मौके पर पुलिस



बल बढ़ा दिया गया था। पुलिस की कार्रवाई से नाराज किसानों ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण तरीके से धरना देने के बावजूद उन्हें जबरन उठाया गया। राष्ट्रवादी किसान आर्मी के सदस्य राकेश धाकड़ ने कहा कि अधिकारियों से बातचीत में दो दिन का समय देने की बात कही गई थी, फिर भी पुलिस ने उन्हें हटा दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दो दिन में मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। वहीं, संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रतीक शर्मा ने कहा कि किसान विवाद नहीं बल्कि बिना शर्त बातचीत और समाधान चाहते हैं।

### कृषि सचिव से मुलाकात, अब सीएम और शिवराज की बैठक पर निगाहें

इससे पहले मंगलवार दोपहर किसानों के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने कृषि विभाग के सचिव निशांत वरवड़े से मुलाकात की। बातचीत के बाद किसानों ने बताया कि बुधवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बीच गन्ना मूल्य के मुद्दे पर चर्चा प्रस्तावित है। इस बैठक से निकलने वाले फैसले के आधार पर ही किसान अपने आंदोलन की आगे की रणनीति तय करेंगे।

# छह साल बाद फिर साथ आए भाजपा-अकाली



**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल छह साल बाद एक बार फिर साथ आ गए हैं। दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने गठबंधन की औपचारिक घोषणा की। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि पंजाब में दोनों दल मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे, जिसमें अकाली दल बड़े भाई की भूमिका में रहेगा और चुनाव जीतने के बाद अकाली दल का नेता ही मुख्यमंत्री बनेगा। हालांकि, सीट शेयरिंग को लेकर अभी फैसला होना बाकी है। उल्लेखनीय है कि दोनों दलों के गठबंधन ने पहले पंजाब में 1997, 2007 और 2012 में तीन बार सरकार बनाई थी, लेकिन कृषि सुधार कानूनों के विरोध में सितंबर 2020 में 24 साल पुराना यह गठबंधन टूट गया था।

**40 कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के मुख्यमंत्री ने दिया भरोसा**

**वेतन-भत्तों से लेकर अनुकंपा नियुक्ति तक कई मुद्दों पर रखी सरकार की बात**

# आउटसोर्स कर्मचारियों को नहीं हटाएगी मोहन सरकार

मृदुभाषी। भोपाल

मध्यप्रदेश में आउटसोर्स कर्मचारियों को नौकरी से हटाए जाने की चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ा बयान देकर इन अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री ने साफ कहा है कि प्रदेश में किसी भी आउटसोर्स कर्मचारी को बाहर नहीं किया जाएगा। आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति के संबंध में जारी व्यवस्था ही कायम रहेगी।

मुख्यमंत्री के इस ऐलान से प्रदेश के हजारों आउटसोर्स कर्मचारियों को राहत मिली है, जो नौकरी की सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार कर्मचारियों के हितों और उनकी आर्थिक सुरक्षा को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार की ताकत और पहचान उसके कर्मचारियों की बुलंदी से होती है। कर्मचारियों के चेहरे पर मुस्कान होगी, तभी प्रदेश प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ेगा।



### 26 भत्तों का पुनरीक्षण, अनुकंपा नियुक्तियों में तेजी

**मुख्यमंत्री** ने बताया कि सरकार ने कर्मचारियों के हित में कम्प्यूटर प्रोफिशिएंसी सर्टिफिकेट टेस्ट सहित लगभग 26 प्रकार के भत्तों का पुनरीक्षण किया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कर्मचारियों के वेतन और भत्तों के भुगतान में किसी प्रकार का विलंब नहीं होना चाहिए। दिवंगत शासकीय कर्मचारियों के परिवारों को राहत देने के लिए अनुकंपा नियुक्ति के मामलों का तेजी से निराकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के अनुसार, स्कूल शिक्षा विभाग में ही एक हजार से अधिक अनुकंपा नियुक्तियां दी गई हैं। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को महंगाई भत्ता देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार से सहमति लेने की पुरानी व्यवस्था को भी समाप्त किया गया है।

### कर्मचारी संगठनों ने फैसलों के लिए जताया आभार

भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों की वर्षों से लंबित समस्याओं का समाधान किया है। पदोन्नति, वेतन विसंगतियों और अनुकंपा नियुक्तियों के मामलों में सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। कार्यक्रम में राजपत्रित अधिकारी संघ, लघु वेतन कर्मचारी संघ, शिक्षक कांग्रेस, राज्य कर्मचारी संघ, अनुसूचित जाति-जनजातीय अधिकारी-कर्मचारी संघ, संविदा कर्मचारी संघ सहित करीब 40 संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में कर्मचारियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। इसलिए उनके सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और कल्याण से जुड़े विषयों पर सरकार लगातार काम करती रहेगी। फिलहाल आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए मुख्यमंत्री का सबसे अहम संदेश यही है कि उन्हें हटाने की कोई योजना नहीं है और नियुक्ति की मौजूदा व्यवस्था जारी रहेगी।

# वैभव का 'महावैभव'




**28 छक्के, 7 चौके और 50 ओवर के क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक! 14.2 ओवर में ही भारत ने जीत लिया 250 रन का लक्ष्य**

एजेंसी। नई दिल्ली

अरे भई! ये क्रिकेट का मैदान है या छक्के बरसाने की कोई फैक्ट्री? गेंदबाज गेंद डालते रहे और वैभव सूर्यवंशी का बल्ला ऐसा गरजता रहा कि गेंद कभी आसमान में दिखाई देती तो कभी मैदान के बाहर। UAE के गेंदबाजों ने शायद सोचा भी नहीं होगा कि 250 रन का लक्ष्य देने के बाद उन्हें इतनी जल्दी मैदान छोड़ने की नौबत आ जाएगी।

भारत के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने राइजिंग स्टार्स एशिया कप में ऐसा तूफान मचाया कि क्रिकेट की दुनिया हैरान रह गई। महज 53 गेंदों में 204 रन! पारी में 28 छक्के और 7 चौके। यानी गेंद को बाउंड्री के बाहर भेजने में वैभव ने कोई कसर नहीं छोड़ी। उनकी इस पारी को 50 ओवर के क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक बताया जा रहा है। और मजेदार बात यह कि भारत ने UAE के 250 रन के लक्ष्य को महज 14.2 ओवर में तीन विकेट खोकर 254 रन बनाते हुए हासिल कर लिया। मुकाबला खत्म होने तक UAE के गेंदबाजों के पास शायद यही सवाल बचा था कि आखिर इस लड़के को रोके तो कैसे? एक समय ऐसा लग रहा था कि वैभव दोहरा शतक पूरा करने के बाद भी रुकने वाले नहीं हैं। UAE के गेंदबाजों के पास उनकी बल्लेबाजी का कोई जवाब नजर नहीं आ रहा था। वैभव की पारी का अंत 13वें ओवर की पांचवीं गेंद पर हुआ। बासिल हमीद की गेंद पर उन्होंने लॉन्ग ऑफ के ऊपर से बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद हवा में ऊंची चली गई। लॉन्ग ऑफ पर मौजूद आर्यांश शर्मा ने कैच पकड़ लिया। वैभव 53 गेंदों में 204 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उस समय भारत को जीत के लिए केवल 5 रन की जरूरत थी। आउट होने के बाद वैभव का निराश होकर बल्ला झटकते हुए लौटना भी चर्चा का विषय बन गया। शायद मन में यही कसक रही होगी कि काश जीत का आखिरी रन भी उनके बल्ले से निकलता!

### 103 गेंद का रिकॉर्ड टूटा, 53 में कर दिया कमाल

वैभव ने इस पारी के साथ एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले 50 ओवर के क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के चैड बोवेस के नाम था। उन्होंने 2024 में कैंटरबरी की ओर से ओटागो के खिलाफ 103 गेंदों में दोहरा शतक लगाया था। वैभव ने महज 53 गेंदों में 200 रन पूरे कर इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह उपलब्धि उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी और असाधारण प्रतिभा का प्रमाण बन गई।

### गेंद आई बाउंड्री के पार!

वैभव सूर्यवंशी ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपना लिया। गेंद बल्ले पर अच्छी तरह आ रही थी और उन्होंने इसका पूरा फायदा उठाया। देखते ही देखते चौकों-छक्कों की बरसात शुरू हो गई। 53 गेंदों की उनकी पारी में 28 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। इन बाउंड्री से ही उन्होंने 196 रन बना दिए। बाकी रन अन्य तरीकों से आए।

### ओंकारेश्वर में पांचवीं नर्मदा परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ

**खंडवा।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर के गौमुख घाट से पांचवीं नर्मदा परिक्रमा यात्रा के शुभारंभ कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अवधूत सिद्ध महायोगी दादा गुरुजी के सानिध्य में शुरू हुई इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने मां नर्मदा की आरती व पूजन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की, चुनरी ओढ़ाई और परिक्रमा यात्रा में भी शामिल हुए। समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों का सानिध्य हमें साक्षात् ईश्वर से संवाद का अवसर देता है और यह परिक्रमा आस्था व लोककल्याण का मार्ग है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व सनातन संस्कृति के वैभव से परिचित हो रहा है और 21वीं सदी भारत की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यात्रा मार्ग में श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं तथा नर्मदा तट की पवित्रता व स्वच्छता बनाए रखना सभी का कर्तव्य है।



# यूपी में सीट शेयरिंग पर सपा-कांग्रेस में तकरार

मृदुभाषी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर पेंच फंसता नजर आ रहा है। जानकारी के मुताबिक, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कांग्रेस को प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से महज 26 सीटें देने के पक्ष में हैं, जबकि कांग्रेस 125 सीटों की मांग पर अड़ी हुई है। मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी के आवास पर दोनों दलों के नेताओं के बीच करीब सवा तीन घंटे तक मैराथन बैठक चली। इससे पहले सपा महासचिव रामगोपाल



यादव ने सख्त लहजे में कहा था कि उन्होंने कांग्रेस को 26 सीटों की सूची बता दी है, जहां से वह अपने प्रत्याशी उतार सकती है, और सपा सांसद राजीव राय ने भी इसी रुख को दोहराया। सपा के इस प्रस्ताव पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसी से भीख नहीं मांग रही और यह रवैया गठबंधन के लिए उचित नहीं है।

### महबूबा बोलीं- पहाड़-ग्लेशियर उजाड़ोगे तो अमरनाथ शिवलिंग कैसे बनेगा

**नई दिल्ली।** PDP अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शेषनाग झील जाते समय पुलिस ने रोक दिया।

वे वायरल वीडियो में भारी मशीनों और खुदाई करने वाली मशीनों के इस्तेमाल की जानकारी लेने जा रही थीं। महबूबा मंगलवार सुबह पार्टी विधायकों के साथ शेषनाग के लिए रवाना हुई थीं। तीनों अमरनाथ रूट पर चंदनवाड़ी से शेषनाग तक पैदल बढ़ रहे थे। पुलिस ने उन्हें वहीं रोक दिया। दरअसल, एक वीडियो सामने आया है, जिसमें शेषनाग झील के पास भारी मशीनों से खुदाई की जा रही है।

# देव दीपावली पर सोने जैसी दमकी काशी

एजेंसी। काशी

देवों के धरा पर अवतरण के पावन पर्व देव दीपावली पर काशी मंगलवार की शाम सोने जैसी दमक उठी। शुभ मुहूर्त में अनगिनत दीपों की आभा से सदानीरा गंगा का अर्धचंद्राकार तट जगमगा उठा और 21 लाख दीयों की रोशनी से सभी 84 घाट नहा उठे। इस अद्भुत छटा के बीच श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर का दृश्य भी बेहद मनोहारी रहा, जहां विद्युत लड़ियों, मिट्टी के दीयों और रंग-बिरंगे फूलों से पूरे धाम को भव्य रूप से सजाया गया था। नमो घाट पर आयोजित मुख्य समारोह में उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर देव दीपावली का शुभारंभ किया। शाम ढलते ही घाटों पर श्रद्धालुओं और सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दीपों की जगमगाहट, गंगा तट की आध्यात्मिक छवि और उत्सव के माहौल को लेकर पर्यटकों में खास उत्साह और उमंग नजर आई।



# कागजों पर सन्नाटा सड़कों पर शोर 29 साइलेंट जोन में न बोर्ड लगे, न कार्रवाई

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



**इंदौर** । शहर में ध्वनि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन ने 29 प्रमुख स्थानों को साइलेंट जोन घोषित कर कागजी कार्रवाई तो पूरी कर ली है, लेकिन धरातल पर इन क्षेत्रों में शोर रोकने के लिए क्या ठोस इंतजाम किए गए हैं, यह अब भी एक बड़ा सवाल बना हुआ है। अस्पतालों, स्कूलों, कॉलेजों और न्यायालयों के आसपास वाहनों के तेज हॉर्न, ट्रैफिक के शोर, डीजे और लाउडस्पीकर की तेज आवाज से आम नागरिकों, मरीजों और विद्यार्थियों को वास्तविक राहत मिलने की स्थिति स्पष्ट नहीं है।

जिला प्रशासन ने अक्टूबर माह में एमवाय अस्पताल, बाम्बे अस्पताल, चोइथराम अस्पताल, अरबिंदो अस्पताल, चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय और सुपर स्पेशियलिटी सहित प्रमुख चिकित्सा संस्थानों को साइलेंट जोन में शामिल किया था। इसके अतिरिक्त एसजीएसआईटीएस, होलकर साइंस कॉलेज, गुजराती कॉलेज, क्रिश्चियन कॉलेज, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के खंडवा रोड परिसर सहित अन्य शैक्षणिक संस्थानों, जिला न्यायालय और कलेक्टोरेट परिसर के आसपास के क्षेत्रों को भी शांत क्षेत्र घोषित किया गया है। हालांकि, इन स्थानों पर सूचना बोर्ड लगाने, नियमित रूप से ध्वनि स्तर की जांच करने और नियम तोड़ने वालों पर चालानी कार्रवाई करने की व्यवस्था कितनी प्रभावी है, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

### ...तो नियमों का पालन कैसे सुनिश्चित होगा

साइलेंट जोन घोषित करने का मूल उद्देश्य तभी सार्थक हो सकता है, जब संबंधित क्षेत्रों के प्रवेश मार्गों और आसपास स्पष्ट सूचना बोर्ड लगाए जाएं, जिन पर साइलेंट जोन की सीमा, लागू ध्वनि मानक और प्रतिबंधों का उल्लेख हो।

यदि राहगीरों और वाहन चालकों को यह पता ही नहीं चलेगा कि वे शांत क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं, तो नियमों का पालन कैसे सुनिश्चित होगा।

### साइलेंट जोन केवल सरकारी आदेशों तक सीमित न रहे

ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण नियमों के तहत साइलेंट जोन में दिन के समय अधिकतम 50 और रात में 40 डेसीबल ध्वनि स्तर निर्धारित है, तथा इन संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में हॉर्न, लाउडस्पीकर और पटाखों पर प्रतिबंध रहता है। इस मामले में 26 अक्टूबर को मप्र हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने भी सुनवाई के दौरान सूची प्रकाशित करने के निर्देशों के उचित पालन न होने पर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए थे।पर्यावरण विशेषज्ञों का स्पष्ट मानना है कि साइलेंट जोन केवल सरकारी आदेशों तक सीमित न रहकर धरातल पर दिखने चाहिए, ताकि मरीजों को सुकून और विद्यार्थियों को एकाग्रता मिल सके। इस संबंध में इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा का कहना है कि साइलेंट जोन घोषित कर वहां संकेतक लगवाए जा रहे हैं, लोगों को जागरूक किया जाएगा और शिकायत मिलने पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

# 60 की उम्र में साइकिल से कश्मीर से कन्याकुमारी नाप रहे राजीव कौशल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर



**इंदौर।** उम्र के 60वें पड़ाव पर जहां अधिकांश लोग आराम को प्राथमिकता देते हैं, वहीं लुधियाना के रिटायर्ड कफर अधिकारी राजीव कौशल साइकिल से देश नापने निकले हैं। कश्मीर से कन्याकुमारी तक की इस साहसिक यात्रा के तहत वे सोमवार को इंदौर पहुंचे और रात्रि विश्राम के बाद मंगलवार सुबह अगले पड़ाव के लिए रवाना हो गए। 1 नवंबर को शुरू हुई यह यात्रा 10 दिसंबर को उनके 61वें जन्मदिन पर संपन्न होगी। वे प्रतिदिन औसतन 100 किलोमीटर साइकिल चला रहे हैं। राजीव का मानना है कि यह सफर खुद को चुनौती देने, कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने और जीवन की नई संभावनाओं को तलाशने का माध्यम है।

### 20 वर्ष की आयु में साईकल से लुधियाना

राजीव को बचपन से ही कुछ अलग करने का जुनून रहा है। 1985-86 में मात्र 20 वर्ष की आयु में वे एक फिल्म देखने के लिए साइकिल से 100 किलोमीटर दूर लुधियाना पहुंच गए थे। 2018 में लेह में पदस्थापना के दौरान देश-विदेश के यात्रियों से मिलकर उनका यह शौक फिर जाग उठा। डेढ़ साल पहले उन्होंने ड्रीम बाइकर्स क्लब के डॉ. भगवंत सिंह और डॉ. धनवंत सिंह के मार्गदर्शन में इसकी तैयारी शुरू की, जिसमें उनकी पत्नी ने पूरा साथ दिया। दिल्ली, चंडीगढ़, सागर और हैदराबाद होते हुए कन्याकुमारी जाने वाली इस यात्रा को शीला अलीपुरिया चैरिटी सोसाइटी ने सामाजिक सरोकार से जोड़ दिया है। सोसाइटी अध्यक्ष अजय अलीपुरिया ने इसके माध्यम से एक जरूरतमंद बच्चे की संपूर्ण शिक्षा की जिम्मेदारी लेने का संदेश दिया है। राजीव कहते हैं कि यदि उनकी यात्रा से प्रेरित होकर कोई अपनी सेहत के प्रति जागरूक हो और किसी बच्चे की पढ़ाई का जिम्मा उठाए, तो उनका प्रयास सफल होगा।

### सफर में कई खट्टे-मीठे अनुभव

सफर के दौरान उन्हें कई खट्टे-मीठे अनुभव हुए। राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में लोगों की सादगी और बनिहाल में सीआरपीएफ जवानों का सहयोग उन्हें बेहद भाया। इसके साथ ही एक बार तेज गर्मी में दो बाइक सवार युवकों ने 10-15 किलोमीटर पीछा कर उन्हें निशुल्क ठंडा पानी उपलब्ध कराया।



# मंडी हटाने के बाद बढ़ा विवाद, विक्रेताओं और रहवासियों में टकराव की स्थिति

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**इंदौर।** शहर के फूटी कोठी चौराहे पर सब्जी मंडी हटाने को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मंगलवार सुबह सब्जी और फल विक्रेता पुरानी जगह के पास टाट-पट्टी बिछाकर बैठ गए, जबकि स्थानीय रहवासियों ने दोबारा दुकानें लगने का कड़ा विरोध किया। इससे विक्रेताओं और रहवासियों के बीच टकराव के हालात बन गए। तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को अलग-अलग रखकर मामला शांत कराया। नगर निगम ने वाहन से मुनादी कर तय स्थान पर ही दुकानें लगाने की चेतावनी दी, लेकिन विक्रेता अपनी मांग पर अड़े रहे। मौके पर पहुंचे अपर आयुक्त व पुलिस अधिकारियों ने विक्रेताओं को समझाइश दी। इस दौरान महिलाओं ने हाथ जोड़कर पुरानी जगह पर दुकान लगाने की गुहार लगाई। अधिकारियों के जाने के बाद निगम की एक टीम नई जगह का मौका मुआयना करने पहुंची।

### ठेले व दुकानें जब्त कर ली थीं

दरअसल, शनिवार को नगर निगम की रिमूवल टीम ने सालों पुरानी सब्जी मंडी हटाते हुए ठेले व दुकानें जब्त कर ली थीं, जिसका नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट ने विरोध भी किया था। विक्रेताओं का कहना है कि ब्रिज निर्माण के समय महापौर ने ब्रिज के नीचे मंडी लगाने की बात कही थी, लेकिन अब उन्हें दूसरी जगह शिफ्ट किया जा रहा है, जिससे रोजगार प्रभावित होगा।कार्रवाई के विरोध में रविवार को प्रदर्शन के बाद सोमवार को शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे, नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट, पार्षदों व विक्रेताओं ने निगम मुख्यालय का घेराव कर कलेक्टर व संभागायुक्त से हस्तक्षेप की मांग की। कांग्रेस नेताओं का दावा है कि इससे करीब 450 परिवारों की रोजी-रोटी प्रभावित हुई है। चिंटू चौकसे ने विक्रेताओं के समर्थन में टाट-पट्टी बिछाकर कारोबार करने की घोषणा की, वहीं समाजसेवी प्रहलाद पांडेय भी उनके समर्थन में अनशन पर बैठे हैं।

# ठंड में टमाटर के दाम हुए लाल

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**इंदौर।** शहर में ठंड का असर अब सब्जियों की कीमतों पर भी दिखाई देने लगा है। पिछले कुछ दिनों से बाजार में हरी सब्जियों के साथ आलू और टमाटर के दामों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। बाजार में खरीदारी करने पहुंच रहे लोग अब अपनी जेब और बजट को ध्यान में रखते हुए जरूरत के हिसाब से ही सब्जियां खरीद रहे हैं।

पहले जहां लोग एक साथ कई तरह की सब्जियां खरीद लेते थे, वहीं अब बढ़ती कीमतों के कारण खरीदारी सीमित करनी पड़ रही है। सब्जी बाजार में इन दिनों मेथी, टमाटर, आलू और फूलगोभी के दाम बढ़े हुए हैं।

# हाईवे स्थित गोदाम में लगी भीषण आग

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**इंदौर।** शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर इंदौर-अहमदाबाद हाईवे (धार रोड) पर बेटमा गुरुद्वारे के पास स्थित एक स्क्रैप गोदाम में मंगलवार शाम भीषण आग लग गई। गोदाम में रबर और प्लास्टिक का कबाड़ (वेस्ट मटेरियल) भारी मात्रा में रखा होने के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और इलाके में काले धुएं का गुबार फैल गया।

घटना की सूचना मिलते ही बेटमा और पीथमपुर से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए। बेटमा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मंगलवार शाम करीब 6:30 बजे हाईवे किनारे बने स्क्रैप गोदाम से लोगों ने आग की लपटें और धुआं उठता देखा। चूंकि गोदाम के आसपास रहवासी बस्ती भी है, इसलिए आग फैलने की आशंका से स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों ने तत्काल पुलिस और फायर ब्रिगेड को इसकी सूचना दी।सूचना मिलते ही बेटमा पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं।

# यातायात नियम तोड़ने वालों के घर पहुंचकर चालान के साथ समझाइश दे रही पुलिस

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**इंदौर।** शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए आम नागरिक भी अब पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहभागी बन रहे हैं। शहर में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों की शिकायतें अब वाहन चालक और राहगीर 'इंदौर ट्रैफिक साथी एप' के माध्यम से सीधे यातायात पुलिस तक पहुंचा रहे हैं।

एप पर आम लोगों द्वारा भेजी जा रही इन शिकायतों का तकनीकी व तथ्यात्मक सत्यापन करने के बाद पुलिस संबंधित वाहन चालकों के खिलाफ सख्त चालानी कार्रवाई कर रही है। इस अभियान की सबसे खास बात यह है कि यातायात पुलिस अब केवल ऑनलाइन चालान काटकर ही अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं कर रही, बल्कि चालान की जानकारी देने के लिए स्वयं संबंधित वाहन चालक के घर भी पहुंच रही है।

'इंदौर ट्रैफिक साथी एप' की कार्यप्रणाली की जानकारी दे रहे पुलिसकर्मी वाहन चालकों के घर पहुंचकर उन्हें की गई चालानी कार्रवाई से अवगत करा रहे हैं और साथ ही उन्हें 'इंदौर ट्रैफिक साथी एप' की कार्यप्रणाली की जानकारी भी दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त, पुलिस टीम द्वारा वाहन चालकों और उनके परिजनों को भविष्य में यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करने की समझाइश भी दी जा रही है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। दरअसल, इंदौर ट्रैफिक साथी एप में 'सिविलियन रिपोर्ट' का एक विशेष फीचर जोड़ा गया है। इस फीचर के माध्यम से कोई भी जागरूक नागरिक सड़क पर यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों की फोटो या वीडियो के जरिए सीधे पुलिस को शिकायत भेज सकता है। यातायात पुलिस को इस फीचर के माध्यम से प्रतिदिन बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी स्वयं इन शिकायतों और उन पर की जा रही कार्रवाई की निरंतर निगरानी कर रहे हैं। एप पर मुख्य रूप से वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करने, बिना हेलमेट दोपहिया चलाने, वाहन पर फैंसी या गलत नंबर प्लेट लगाने, कार में सीट बेल्ट नहीं बांधने, रॉन्ग साइड वाहन चलाने, तेज और लापरवाहीपूर्वक गति से वाहन चलाकर दूसरों की जान जोखिम में डालने तथा नो-पार्किंग या गलत जगह वाहन खड़ा करने जैसी शिकायतें मिल रही हैं। पुलिस इन शिकायतों की बारीकी से जांच व सत्यापन करने के बाद ई-चालान जारी कर रही है, जिसकी सूचना संबंधित वाहन मालिक को मोबाइल मैसेज या ई-मेल के माध्यम से भी भेजी जा रही है।



# औदुम्बर ब्राह्मण समाज के अन्नकूट में महापौर भार्गव ने दिलाई जल संरक्षण की शपथ



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**इंदौर।** औदुम्बर ब्राह्मण समाज इंदौर का अन्नकूट महोत्सव महासभा भवन धर्मशाला जूनी इंदौर में आयोजित किया गया। भगवान श्रीनाथजी की आकर्षक झांकी सजाई गई थी । पंडित मयंक जोशी,सौरभ जोशी, पुष्पक गौर ने पूजन कार्य मुख्य जजमान समाज के अध्यक्ष योगेश द्विवेदी, छाया द्विवेदी से संपन्न करवाया।

इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने उपस्थित समाज जनों को जल संरक्षण की शपथ दिलवाई। अन्नकूट महोत्सव में अखिल भारतीय औदुम्बर ब्राह्मण महासंघ अध्यक्ष प्रदीप जोशी, पूर्व महासभा अध्यक्ष ओम प्रकाश दुबे,आशुतोष शर्मा के साथ देवास,उज्जैन,सोनकच्छ, बदनावर,रंगवासा, तिल्लौर के अध्यक्ष व प्रतिनिधि सहित सैकड़ो समाज जन उपस्थित थे।

इस अवसर पर समाज के प्रधानमंत्री मनीष पाठक ने बताया कि महासभा द्वारा 10 जनवरी को परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। महासंघ के महासचिव उमेश द्विवेदी ने 13 दिसंबर को आयोजित किए जाने वाले औदुम्बर नेशनल यूथ कांक्लेव के बारे में जानकारी दी।

महासभा कार्यकारिणी के समस्त सदस्यों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

# कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गए पार्षदों का मामला पहुंचा म.प्र. हाईकोर्ट

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**इंदौर।** इंदौर नगर निगम में कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर जीत हासिल करने के बाद भाजपा में शामिल हुए तीन पार्षदों के खिलाफ दल-बदल कानून के तहत कार्रवाई का मामला हाई कोर्ट पहुंच गया है। इस संबंध में दायर याचिका पर सोमवार को सुनवाई होना थी, लेकिन कोर्ट ने इसे बुधवार तक के लिए टाल दिया।

नगर निगम चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर जीतने वाले पार्षद ममता सुनेरे, शिवम यादव और विनिता मौर्य बाद में भाजपा में शामिल हो गए थे। इनके खिलाफ दल-बदल कानून के तहत कार्रवाई की मांग करते हुए नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट ने सरकार को आवेदन दिया था। इसमें तीनों पार्षदों के पद रिक्त घोषित करने और उपचुनाव कराने की मांग की गई थी।

# पिता और बहन की हत्या कर भागे हर्ष का चौथे दिन भी सुराग नहीं

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**इंदौर।** प्रॉपर्टी के लालच में अपने ही पिता और बहन की हत्या कर फरार हुए आरोपी हर्ष यादव का चौथे दिन भी कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस को उसकी आखिरी लोकेशन अंबाला के आसपास मिली है। आरोपी को पकड़ने के लिए इंदौर पुलिस ने उसके परिचितों और संभावित ठिकानों की जानकारी दिल्ली तथा हिमाचल प्रदेश पुलिस के साथ साझा की है।पुलिस जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि हर्ष ने इस वारदात को अंजाम देने के लिए छह महीने पहले ही एक नाबालिग से दोस्ती की थी। हालांकि उसके कुछ पुराने दोस्त भी थे, लेकिन उसने राज खुलने के डर से उन्हें इसमें शामिल नहीं किया। वारदात में मदद करने वाले नाबालिग को भी हर्ष ने कोई रकम नहीं दी थी और वह उसे भी रास्ते से हटाना चाहता था, ताकि दोहरे हत्याकांड का राज किसी के सामने न आ सके।

### पिता को मारने किराए पर लिया था फ्लैट

पुलिस के मुताबिक, हर्ष ने पिता को मारने के लिए अरिहंत नगर में किराए पर फ्लैट लिया था, जिसकी भनक उसने पहले से अपने पिता और बहन को नहीं लगने दी थी। उसने अपने नाबालिग दोस्त को यात्री बनाकर पिता के पास भेजा, जो सामान उठाने के बहाने रिक्शा सहित पिता को फ्लैट तक ले गया। वहां पहले से घात लगाए बैठे हर्ष ने पिता की हत्या कर शव ठिकाने लगाया और इसके बाद बहन को भी मौत के घाट उतार दिया। मददगार नाबालिग ने भाई की शादी का हवाला देकर पैसे मांगे, लेकिन हर्ष उसे टालकर हत्या के बाद दिल्ली भाग निकला। आरोपी लगातार मोबाइल बंद रख रहा है, जिससे पुलिस को उसकी सटीक लोकेशन ट्रैक करने में दिक्कत आ रही है।

# साइबर ठगी के लिए बैंक खाते किराए पर लेने वाले गिरोह का भंडाफोड़, मुख्य आरोपी समेत दो गिरफ्तार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**इंदौर।** पुलिस ने साइबर ठगी और अवैध ऑनलाइन गेमिंग के लिए आम लोगों के बैंक खाते किराए पर लेकर उनका इस्तेमाल करने वाले दो अलग-अलग मामलों का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी समेत दो युवकों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच ने मंगलवार को रतलाम के आलोट निवासी मुख्य आरोपी पप्पू उर्फ पंकज मीणा को दबोचा, जो लोगों को दस-दस हजार रुपए का लालच देकर उनके बैंक खाते खरीदता था और उनमें देशभर से की जाने वाली साइबर ठगी की रकम मंगवाता था। पुलिस ने अपना बैंक खाता बेचने वाले इंदौर निवासी अंशु के खिलाफ भी धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है।

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि फेडरल बैंक के एक संदिग्ध म्यूल अकाउंट की शिकायत मिलने पर तकनीकी जांच शुरू की गई थी। जांच में खाते का मूल धारक इंदौर निवासी अंशु निकला। पूछताछ में अंशु ने स्वीकार किया कि उसने दस हजार रुपए के बदले अपने बैंक खाते का पूरा संचालन रतलाम जिले के आलोट स्थित मीना कॉलोनी निवासी पप्पू उर्फ पंकज मीणा पुत्र काशीराम मीणा को सौंप दिया था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि इस खाते के खिलाफ तमिलनाडु के कल्लाकुरिची और तेलंगाना के मलकाजगिरी साइबर क्राइम थाने में पहले से ही ठगी की शिकायतें दर्ज हैं। आरोपी पप्पू ने इसी तरह कई अन्य लोगों के खाते भी खरीदे हैं, जिनके संबंध में क्राइम ब्रांच उससे गहन पूछताछ कर रही है।दूसरी ओर, लसूड़िया थाना पुलिस ने भी अवैध ऑनलाइन गेमिंग में इस्तेमाल के लिए बैंक खाता खरीदने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीआई राजकुमार यादव की टीम ने मंदसौर के धरियाखेड़ी निवासी शुभम पुत्र विनोद मालवीय को पकड़ा है। उसके कब्जे से एसबीआई की चेकबुक और एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं, जो रतलाम के सांवलिया बैंकिंग पॉइंट से जुड़े विनोद के नाम पर पंजीकृत हैं। पूछताछ में शुभम ने यह बैंक खाता दस हजार रुपए में खरीदने की बात कबूली है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और खातों की जानकारी जुटा रही है।

**जाहिर सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विक्रेता **श्रीमती शीला पति स्व. श्री सतीशचंद्र गुप्ता** के द्वारा झोन **क्रमांक 14** राजस्व विभाग पर आवेदन प्रस्तुत कर पता **2330, सेक्टर-ई, सुदामा नगर, इन्दौर** के नाम पर दर्ज संपत्ति का नामांतरण क्रेता **(1) अक्षत पिताश्री किशोर सुनेल उर्फ किशोरीलाल (2) किरण पतिश्री किशोरीलाल सुनेल (3) किशोरीलाल पिताश्री बिहारीलाल सुनेल** के नाम पर चाहा गया है। पिन नं. **1001229179** इस जाहिर सूचना प्रकाशन दिनांक **25.11.2026** से 15 दिवस की समयावधि के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति, वित्त संस्था, बैंक, निकाय को आपत्ति हो तो **झोन क्र. 14** के सहायक राजस्व अधिकारी के संमुख उपस्थित होकर मय दस्तावेज के अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

**सहायक राजस्व अधिकारी, राजेंद्र धारकर झोन, झोन क्रमांक 14 नगर पालिका निगम इंदौर**

### विरोध के आगे झुका प्रशासन

# कृष्णबाग कॉलोनी में कालिका माता मंदिर हटाने की कार्रवाई फिलहाल टली

मृदुभाषी। इंदौर

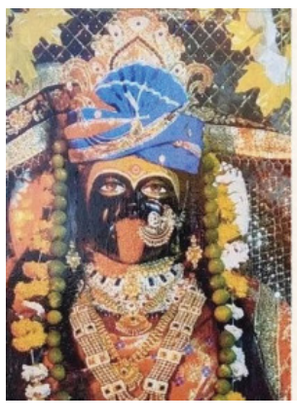



शहर की कृष्णबाग कॉलोनी में अतिक्रमण हटाने की मुहिम के तहत कालिका माता मंदिर को हटाने की प्रस्तावित कार्रवाई को प्रशासन ने फिलहाल स्थगित कर दिया है। कॉलोनी में अवैध निर्माण हटाने के दौरान इस मंदिर को भी हटाया जाना तय था, लेकिन स्थानीय नागरिकों और विभिन्न संगठनों के तीव्र विरोध को देखते हुए प्रशासन ने कदम पीछे खींच लिए हैं। एसडीएम घनश्याम धनगर ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि वर्तमान में मंदिर को हटाने के संबंध में कोई भी कार्रवाई नहीं की जा रही है।

सोमवार को जब पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम अतिक्रमण हटाने पहुंची, तो स्थानीय लोगों ने एकजुट होकर विरोध शुरू कर दिया। लोगों के भारी विरोध और तनावपूर्ण स्थिति के बीच एसडीएम घनश्याम धनगर को मौके से वापस लौटना पड़ा। शाम होते-होते कई हिंदू संगठन भी मौके पर जमा हो गए और नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी कि मंदिर की एक भी ईंट नहीं हटाई जाएगी। हालात को देखते हुए शाम तक प्रशासन और पुलिस की टीमें लौट गईं। मंगलवार को दोबारा कार्रवाई की अटकलों के बीच रहवासी मंदिर के बाहर धरने पर बैठे थे, लेकिन प्रशासन द्वारा कार्रवाई से इनकार किए जाने के बाद उन्होंने अपना धरना समाप्त कर दिया। इस पूरे विवाद की जड़ ग्राम खजराना स्थित सर्वे नंबर 66/2(क) की 0.720 हेक्टेयर भूमि पर बने निर्माण हैं, जिसके स्वामित्व को लेकर श्रीराम बिल्डर्स और कॉलोनी के रहवासियों के बीच वर्ष 2003 से कानूनी लड़ाई चल रही है। यह प्रकरण तहसीलदार न्यायालय से लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक जा चुका है। सोमवार को दिनभर चली मुहिम में जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम के करीब 600 अधिकारी-कर्मचारियों के अमले ने 12 पोकलेन मशीनों की मदद से कुल 42 मकानों को ध्वस्त किया। कार्रवाई के दौरान जब मंदिर प्रबंधन को परिसर खाली करने के लिए एक घंटे का समय दिया गया, तो वहां मौजूद लोगों ने जय-जय सियाराम के नारे लगाने शुरू कर दिए और भीड़ के आक्रोश को भांपते हुए प्रशासन ने मंदिर हटाने का निर्णय फिलहाल टाल दिया।

# बातचीत के बाद थमा धीरेंद्र शास्त्री और रामदेव विवाद

### बाबा रामदेव ने कठोर शब्दों के इस्तेमाल पर जताया खेद

मृदुभाषी। भोपाल



योग गुरु बाबा रामदेव और बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बीच चल रहा विवाद अब समाप्त हो गया है। दोनों संतों ने आपसी बातचीत के बाद इस पूरे मामले को खत्म करने की घोषणा की है। बाबा रामदेव ने स्वीकार किया कि आवेश में आकर उन्होंने कुछ कठोर शब्दों का इस्तेमाल कर लिया था, वहीं पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने स्वामी रामदेव को अपना बड़ा, संरक्षक और पूज्य बताते हुए मामले को विराम दे दिया है।

पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि वे संतों की बातों पर प्रतिक्रिया नहीं देते हैं। उन्होंने कहा कि स्वामी रामदेव उनके वरिष्ठ हैं, हमेशा उन्हें स्नेह देते रहे हैं और वे उन्हें अपना अभिभावक मानते हैं। धीरेंद्र शास्त्री ने यह भी उल्लेख किया कि चार दिन पहले ही स्वामी रामदेव ने एक मंच से उनकी काफी प्रशंसा की थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे आलोचना और प्रशंसा दोनों को सहजता से स्वीकार करते हैं और संतों के प्रति उनके मन में किसी तरह का अनादर नहीं है। दोनों संतों के बीच इस विवाद की शुरुआत भगवान श्रीकृष्ण पर पंडित धीरेंद्र शास्त्री की एक टिप्पणी के बाद हुई थी, जिसमें उन्होंने भगवान राम से तुलना करते हुए भगवान श्रीकृष्ण को 'टेढ़ा-मेढ़ा' कहा था। इस टिप्पणी पर स्वामी रामदेव ने सार्वजनिक मंच से नाराजगी जताते हुए धीरेंद्र शास्त्री को 'ढोंगी' तक कह दिया था, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच बयानबाजी तेज हो गई थी। अब स्वामी रामदेव ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर विवाद खत्म होने की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा कि उनके अनुज प्रिय और पूज्य बागेश्वर बाबा से बातचीत हो गई है और अब सारा विवाद समाप्त हो चुका है। इसे आपसी मामला बताते हुए रामदेव ने दूसरों को इसमें हस्तक्षेप न करने की सलाह दी और दोनों संतों के अनुयायियों से अपील की कि वे एक-दूसरे के खिलाफ अभद्र भाषा या गाली-गलौज न करें।

# उज्जैन में वक्फ कब्रिस्तान व दरगाह पर तोड़फोड़ से नाराजगी

मृदुभाषी। उज्जैन



शहर के नीलगंगा क्षेत्र स्थित वक्फ कब्रिस्तान, दरगाह सैयद बाबा शाही मकबरा और मस्जिद कलंदरी की संपत्ति पर प्रशासन की तोड़फोड़ की कार्रवाई को लेकर मुस्लिम समाज में नाराजगी देखी जा रही है। शहर काजी खलिकुर्रह्मान ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए इस कार्रवाई को न्यायालय की अवमानना करार दिया है। उन्होंने कहा कि शासन और प्रशासन न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं तथा जब पूरा मामला वक्फ ट्रिब्यूनल में विचाराधीन है, तो इतनी जल्दबाजी में कार्रवाई करने की क्या जरूरत थी। शहर काजी ने सवाल उठाया कि यदि इस स्थान को हटाना इतना ही आवश्यक था, तो न्यायालय के अंतिम फैसले का इंतजार क्यों नहीं किया गया।

कब्रों और मजारों को नुकसान पहुंचाए जाने पर विरोध जताते हुए शहर काजी ने कहा कि जीवित कब्रों को जेसीबी से तोड़ा गया है, जबकि शरीयत और कानून के मुताबिक मजार को तोड़ा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज इस कार्रवाई के खिलाफ न्यायालय और हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा। शहर काजी ने स्पष्ट किया कि मुस्लिम समाज शहर के चौड़ीकरण और विकास कार्यों के खिलाफ नहीं है, लेकिन विकास के नाम पर किसी भी धर्म के धर्मस्थल को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। प्रशासन को निष्पक्षता बरतने की नसीहत देते हुए उन्होंने कहा कि पहले भेजी गई सूची पर समाज ने आपत्ति दर्ज कराई थी और प्रशासन को सभी के साथ समान व्यवहार करना चाहिए, क्योंकि इस कार्रवाई से समाज में परेशानी और आक्रोश है। इस मामले में मुस्लिम नुमाइंदा सोशल वेलफेयर कमेटी, उज्जैन ने दस्तावेजी प्रमाणों का हवाला देते हुए बताया कि नीलगंगा स्थित वक्फ कब्रिस्तान, दरगाह सैयद बाबा शाही मकबरा और मस्जिद कलंदरी विधिवत पंजीकृत वक्फ संपत्ति हैं, जिनके पंजीयन क्रमांक 1026/959, 1028/961 और 1026/962 हैं। कमेटी के अनुसार, इसके अंतर्गत आने वाली संपत्तियां शाही मकबरा, कलंदरी, मजार, दरगाह पीर और कब्रिस्तान मध्य प्रदेश राजपत्र में 13 सितंबर 1985 को क्रमांक 961, 962 और 963 पर दर्ज हैं, साथ ही 1955 से 1985 तक के रिकॉर्ड में भी इनका उल्लेख मिलता है। कमेटी ने यह भी बताया कि उक्त संपत्ति को लेकर रेलवे के साथ वर्ष 1998 से न्यायालयीन कार्यवाही चल रही है और इन तथ्यों के आधार पर कमेटी व शहर काजी ने कार्रवाई को गैरकानूनी बताया है।

### राजस्थान के नतीजों और किसानों की नाराजगी से सरकार के डरने की जताई आशंका

# सहकारिता चुनाव टले तो भड़के सिंघार लोकतंत्र को कमजोर कर रहा फैसला

मृदुभाषी। भोपाल

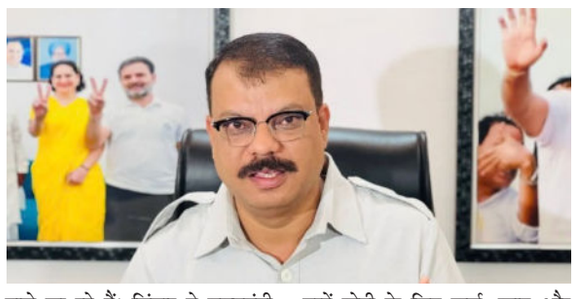

मध्य प्रदेश में सहकारी संस्थाओं के चुनाव एक साल आगे बढ़ाने के फैसले ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार के इस कदम पर कड़ा ऐतराज जताते हुए इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने वाला फैसला बताया है। उन्होंने आशंका जताई कि राजस्थान में पंचायत और जिला परिषद चुनावों के नतीजों से भाजपा सरकार घबराई हुई है, इसी कारण मध्य प्रदेश में सहकारिता चुनाव टाले जा रहे हैं। सिंघार ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से यह फैसला वापस लेने की मांग की है। मंगलवार को जारी बयान में उन्होंने कहा कि सहकारी समितियां किसानों की रीढ़ हैं, जहां से उन्हें खेती के लिए कर्ज, खाद और बीज मिलता है। चुनाव न होने से किसानों की भागीदारी घट रही है और गांवों में नया नेतृत्व उभरने का रास्ता भी रुक रहा है।

### खाद-बिजली की नाराजगी तक दागे सवाल

नेता प्रतिपक्ष ने फैसले के पीछे सियासी मंशा की आशंका जताते हुए पूछा कि क्या राजस्थान के पंचायत और जिला परिषद चुनाव परिणामों से सरकार डरी हुई है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि प्रदेश में खाद व बिजली की दिक्कतों से किसानों की नाराजगी और बेरोजगारी को लेकर युवाओं के असंतोष से क्या सरकार चिंतित है। सिंघार ने राहुल गांधी के लोकतंत्र बचाओ अभियान का जिक्र करते हुए सरकार की नीयत पर सवाल खड़े किए। उल्लेखनीय है कि प्रदेश की 4,500 से अधिक प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों और 38 जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों में पिछली बार 2013 में चुनाव हुए थे और निर्वाचित संचालक मंडलों का कार्यकाल 2018 में खत्म हो गया था। उसके बाद से प्रशासकों के जरिए कामकाज चल रहा है और अब चुनाव एक साल और टलने से निर्वाचित प्रतिनिधियों की वापसी का इंतजार और लंबा हो गया है।

### लंबित चुनावों पर नई बहस, नौ जिला सहकारी बैंकों को मिलेंगे 325 करोड़

सिंघार के आरोपों के बीच प्रदेश की अन्य संस्थाओं में बरसों से अटके चुनावों का मुद्दा भी सुर्खियों में आ गया है। कृषि उपज मंडियों में 2012 के बाद, कॉलेजों में 2017 के बाद छात्रसंघ चुनाव नहीं हो सके हैं, जबकि जल उपभोक्ता संस्थाओं के चुनाव भी कई साल से लंबित हैं। इससे चुनावी प्रतिनिधित्व और प्रशासक राज को लेकर नई बहस छिड़ गई है। वहीं, इसी कैबिनेट बैठक में सरकार ने नौ जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों की सेहत सुधारने के लिए 325 करोड़ रुपये की शेयर पूंजी को मंजूरी दी है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में रीवा, सतना, दतिया, शिवपुरी और जबलपुर के बैंकों को 25-25 करोड़ रुपये, जबकि रायसेन, मुरैना, सागर और सीधी के बैंकों को 50-50 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

# एआई से बने आदेश वायरल, पिपरिया-बरेली और पिछोर को जिला बनाने का दावा



मृदुभाषी। भोपाल

मध्य प्रदेश में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई से तैयार किए गए फर्जी सरकारी आदेश सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन जाली पत्रों में नर्मदापुरम जिले के पिपरिया, रायसेन के बरेली और शिवपुरी के पिछोर को नया जिला घोषित करने का दावा किया गया है। इन पत्रों पर 16 नवंबर, 2026 की तिथि अंकित है। मुख्यमंत्री द्वारा पिछोर को नया जिला बनाने की घोषणा के बाद प्रशासनिक हलकों में नए जिलों के गठन की चर्चाएं तेज थीं। इसी माहौल का लाभ उठाकर शरारती तत्वों ने राज्य परिसीमन आयोग के नाम से फर्जी पत्र तैयार कर उन्हें प्रसारित कर दिया। इस फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ जब राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने स्वयं अपने सोशल मीडिया खाते पर इन पत्रों को साझा करते हुए सवाल उठाए। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने सोशल मीडिया पर लिखा कि लोग अब वास्तविक दुनिया के बजाय कृत्रिम दुनिया में जीने लगे हैं। उन्होंने चिंता जताई कि एआई तकनीक का प्रयोग करके भीड़ के फर्जी दृश्य बनाए जा रहे हैं और निष्फल आयोजनों को सफल दिखाया जा रहा है। अब इसी तकनीक से नए जिलों के निर्माण के फर्जी आदेश तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने हैरानी जताई कि जिस परिसीमन आयोग को वे लगभग दो वर्ष पहले छोड़ चुके हैं, उसी के लेटरहेड पर उनके जाली हस्ताक्षरों के साथ आदेश जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह दुनिया मायावी है, यह बात पहले से ज्ञात थी, परंतु एआई तकनीक प्रतिदिन इसका स्मरण कराती रहती है।

# 230 सीटों पर उतरेंगी सेवा-दूतों की फोज

मृदुभाषी। भोपाल

विधानसभा चुनाव 2028 की तैयारी भाजपा ने अभी से शुरू कर दी है। पार्टी अब प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों पर सेवा-दूत तैनात कर संगठन और सरकार का जमीनी रिपोर्ट कार्ड तैयार कराएगी। इस अभियान में केवल बूथ स्तर के कार्यकर्ता ही नहीं, बल्कि मंत्री, विधायक, सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मैदान में उतरेंगे। खास बात यह है कि हारी हुई और कम अंतर से जीती सीटों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पार्टी इन क्षेत्रों में संगठन की स्थिति, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और मतदाताओं के रुझान का आकलन करेगी।

# चार रातें ट्रेन में बिताकर बच्चों को बनाया अफसर

### अब आईएएस बेटी पल्लवी की पंजाब कैडर के आईएएस से शादी भोपाल में संपन्न हुए विवाह समारोह की तस्वीरें चर्चा में



**भोपाल।** राजधानी भोपाल का एक परिवार अपनी अनूठी संघर्ष गाथा और उपलब्धियों के कारण इन दिनों चर्चा में है। बच्चों की पढ़ाई में कोई रुकावट न आए, इसके लिए पिता ने करीब 25 साल तक ट्रेन में सफर कर अपनी जिम्मेदारी निभाई। उनकी यह तपस्या रंग लाई और बेटे-बेटी दोनों ने देश की सबसे प्रतिष्ठित सिविल सेवा में जगह बनाई। अब इस परिवार की बेटी और 2023 बैच की आईएएस अधिकारी पल्लवी मिश्रा का विवाह पंजाब कैडर के आईएएस अधिकारी डॉ. आदित्य शर्मा के साथ हुआ है। 20 नवंबर को भोपाल में आयोजित इस विवाह समारोह की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रही हैं।

पल्लवी मिश्रा ने दिल्ली की नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी से बीए-एलएलबी की पढ़ाई की है। कानून की पढ़ाई के साथ-साथ उन्हें शास्त्रीय संगीत का भी गहरा शौक है और उन्होंने संगीत में मास्टर्स डिग्री भी हासिल की है। पल्लवी ने बिना किसी कोचिंग के तैयारी करते हुए यूपीएससी 2022 की परीक्षा में अपने दूसरे प्रयास में अखिल भारतीय स्तर पर 73वीं रैंक प्राप्त की थी। वे वर्तमान में अमृतसर में एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (एडीसी) के पद पर तैनात हैं और शादी के बाद इंटर-कैडर ट्रांसफर के तहत उन्हें पंजाब कैडर आवंटित हुआ है। वहीं, उनके जीवनसाथी डॉ. आदित्य शर्मा ने चंडीगढ़ के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस करने के बाद यूपीएससी की तैयारी की और पहले ही प्रयास में 70वीं रैंक हासिल कर आईएएस बने। वे फिलहाल पंजाब के तरनतारन में एडिशनल डिप्टी कमिश्नर के पद पर कार्यरत हैं। पल्लवी के पिता अजय मिश्रा जबलपुर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो, इसलिए उन्होंने परिवार को भोपाल में ही रखा और स्वयं वकालत के लिए जबलपुर आते-जाते रहे। करीब 25 वर्षों तक उन्होंने नर्मदा एक्सप्रेस से सफर किया और सप्ताह में चार रातें ट्रेन में बिताकर पेशे व परिवार के बीच संतुलन बनाए रखा।



सम्पादकीय

## सुकून व ऊर्जा के लिए युवा मठ-मंदिरों में

**पूरी** दुनिया में भौतिकवाद से उपजी थकान और यांत्रिक जीवन से मुक्ति की चाह में युवा मन बेचैन है। वे शांति व नई ऊर्जा के लिए पवित्र रास्तों की शरण ले रहे हैं। भारत में आध्यात्मिक यात्राओं में 53 फीसदी हिस्सेदारी युवाओं की है। इनमें वे युवा शामिल हैं, जो ये यात्राएं सिर्फ मन की शांति व सुकून के लिए कर रहे हैं। वैसे, बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो ईश्वर के अस्तित्व को लेकर निश्चित नहीं हैं। लेकिन वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यह ट्रेंड सिर्फ भारत में ही नहीं है, जो मूलतः गहरी धार्मिक आस्थाओं का देश है, बल्कि यूरोप व अमेरिका में भी है। वहां के युवा चर्च जा रहे हैं, मठों में जा रहे हैं और अन्य पवित्र रास्तों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। दरअसल, मोबाइल और कंप्यूटर की संस्कृति ने उन्हें यह अहसास कराया है कि वे मशीनी पुर्जे बनते जा रहे हैं। उनका जीवन नीरस व यांत्रिक हो चला है। वे इन यात्राओं को मेंटल रिसेट की तरह ले रहे हैं। इनमें से साठ फीसदी युवा खुद की खोज से जुड़ी यात्रा कर रहे हैं। ये यात्राएं मानसिक स्वास्थ्य के लिए हैं। वे दैनिक जीवन की कृत्रिमता व तनाव से मुक्ति के लिए घड़ी व फोन से दूरी बना रहे हैं। साथ ही तनाव से बचने के लिए योग, विपश्यना और हिमालयी बौद्ध मठों का सहारा ले रहे हैं। इस सोच को दशकों पहले एप्पल के संस्थापक स्टीव जॉब्स ने महसूस किया था और मन की शांति के लिए उत्तराखंड के कैंची धाम पहुंचे थे। बाबा नीम करोली की अनुपस्थिति के बावजूद उन्होंने इस स्थान की आध्यात्मिक ऊर्जा को समझा। कालांतर में फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग भी कैंची धाम पहुंचे। बताते हैं कि स्टीव जॉब्स ने उन्हें मुश्किल वक्त में मन की शांति के लिए भारत आने की सलाह दी थी। हॉलीवुड के चर्चित अभिनेता रिचर्ड गेरे अक्सर हिमाचल स्थित आध्यात्मिक नगरी धर्मशाला में दलाई लामा से मिलकर मानसिक शांति पाते हैं।

सवाल यह है कि जब न तो सभी युवाओं में आस्था प्राथमिकता है और न ही ईश्वर से जुड़ाव, फिर वे तीर्थयात्राएं क्यों कर रहे हैं? दरअसल, लगातार डिजिटल होती दुनिया में युवा खुद को बेहद थका हुआ और दिशाहीन महसूस कर रहे हैं। वे इन तीर्थस्थलों पर पहुंचकर अपने भीतर के शोर को शांत कर रहे हैं। पैसे की चमक-दमक, दिखावे का जीवन और घोर उपभोक्तावादी सोच मनुष्य को भीतर से अशांत कर रही है। मनुष्य भले ही कितना ही आधुनिक व समृद्ध हो जाए, वह अपनी मूलभूत मानवीय प्रवृत्तियों को नजरअंदाज नहीं कर सकता। ऐसे में ये तीर्थयात्राएं युवाओं को मानसिक रूप से तरोताजा बनाती हैं। यह ट्रेंड केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में देखा जा रहा है। दरअसल, पूरे विश्व में व्याप्त आर्थिक विषमताएं और युवाओं को बड़े-बड़े सपने दिखाने वाला इंटरनेट व सोशल मीडिया उन्हें बेचैन कर रहा है। यथार्थ कठोर है। मनुष्य की क्षमताएं सीमित हैं। परिस्थितियां विकट हैं। ऐसे में सपनों और कठोर यथार्थ में साम्य स्थापित न हो पाना युवाओं को बेचैन कर देता है। कोरोना संकट ने युवाओं को भीतर तक हिलाया। अपनों की क्षति और आर्थिक स्थिति में गिरावट ने उन्हें उद्वेलित किया। फिर दुनिया के दो बड़े युद्धों और शक्तिशाली राष्ट्रों की निरंकुश व निर्मम नीतियों ने युवाओं को बेचैन किया। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सिमटे हैं। फलतः जीवन की दुश्वारियों के बीच मानसिक शांति की तलाश में वे तीर्थयात्राओं पर निकल रहे हैं। यही वजह है कि अमेरिका व यूरोप में भी धार्मिक स्थलों, मठों और प्राचीन तीर्थ मार्गों पर जाने वाले युवाओं की संख्या में अप्रत्याशित उछाल देखा गया है। इनमें बड़ी संख्या उन युवाओं की भी है, जो खुद को धार्मिक नहीं मानते। वे डिजिटल थकान व मानसिक तनाव से मुक्ति के लिए समुद्र तटों की बजाय शांत तीर्थस्थलों को चुन रहे हैं।

# फिर खुले सेना में गोरखाओं की भर्ती की राह

सी. उदय भास्कर

नेपाली प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह भारत यात्रा पर हैं। मार्च में पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। भले ही परंपरा के अनुसार नेपाली प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को ही चुनते रहे हैं, लेकिन पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' और के.पी. शर्मा ओली ने क्रमशः 2008 और 2024 में पहला दौरा चीन का किया था। लेकिन शाह ने 'भारत-प्रथम' रीत को फिर से जीवित किया है, जो दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार का संकेत है।

भारत को अवसर का इस्तेमाल सैन्य क्षमताओं और क्षेत्रीय जुड़ाव को हुए नुकसान की भरपाई हेतु करना चाहिए, जब 2022 में 'अग्निपथ' योजना शुरू होने के बाद, भारतीय सेना में नेपाली नागरिकों की भर्ती रोक दी गई थी। अगर भारत को एक विश्वसनीय ताकत के रूप में अपनी पहचान बनानी है, तो उसे सबसे पहले अपने पड़ोस को भरोसे में लेना होगा। नेपाल से ज्यादा महत्वपूर्ण कोई पड़ोसी नहीं हो सकता, क्योंकि भौगोलिक रूप से यह दो एशियाई महाशक्तियों —भारत और चीन— के बीच एक 'बफर' यानी मध्यवर्ती क्षेत्र है। ऐतिहासिक रूप से, नेपाली गोरखा पिछली दो सदियों से भारत के लिए एक खड़ग भुजा और एक पुल के रूप में रहे हैं। गोरखा सैनिकों की बहादुरी और वीरता के किस्से मशहूर हैं। औपनिवेशिक काल में भी इसे मान्यता मिली थी; अंग्रेजों ने इन जांबाज लोगों को लेकर गोरखा रेजिमेंट बनाई थी। गोरखा रेजिमेंट के सैनिकों को 26 'विक्टोरिया क्रॉस' मिले—13 ब्रिटिश अधिकारियों को और 13 गोरखा सैनिकों को। 1911 तक तो भारतीय सैनिक 'विक्टोरिया क्रॉस' पाने के योग्य भी नहीं थे। केवल दो विश्व युद्धों के दौरान ही, भारतीय सैनिकों को मिले कुल 39 'विक्टोरिया क्रॉस' में से 12 गोरखा



सैनिकों के हिस्से रहे। 1947 के बाद से, गोरखा रेजिमेंटों की संरचना भारतीय और नेपाली नागरिकों का मिला-जुला स्वरूप रही है। इन रेजिमेंटों ने तीन परमवीर चक्र (अब तक दिए गए कुल 21 में से) जीते हैं : कैप्टन गुरबचन सिंह सलारिया (कांगो, 1961), मेजर धन सिंह थापा (लद्दाख, 1962) और लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे (कारगिल, 1999)। इसके अलावा, इन्हें 33 महावीर चक्र और 84 वीर चक्र भी मिले हैं।

भारतीय सेना की किसी अन्य रेजिमेंट ने युद्ध और शांति के समय गोरखाओं समान वीरता का प्रदर्शन नहीं किया है। रणनीतिक रूप से, गोरखाओं ने भारत को इसकी सबसे बेहतरीन माउंटेन इन्फैंट्री दी है — सेना की 385 रेगुलर इन्फैंट्री बटालियनों में से 39 बटालियनें 7 गोरखा रेजिमेंट्स की हैं। सेना में पूर्ण रूप से गोरखा मूल के फौजियों वाली आर्टिलरी रेजिमेंट भी है, जिसे '64 फील्ड रेजिमेंट' कहा जाता है। इसका गठन अक्तूबर 1962 में हुआ था और एक महीने बाद ही बोमडिला में इसे पहली बार युद्ध का अनुभव मिला। 1971 के बांग्लादेश युद्ध के दौरान, गोरखा गनर्स ने गोबिंदगंज और बोगरा में 75/24 पैक होवित्ज़र तोपों के जरिए अपनी अहम मौजूदगी दर्ज कराई थी।

नेपाल में लगभग 1.25 लाख पूर्व सैनिक और उनके परिवार (विधवाएं) भारत से पेंशन पाते हैं। यह राशि 600 मिलियन डॉलर से अधिक है, जो नेपाल की जीडीपी का 3 प्रतिशत हिस्सा है। ये पूर्व सैनिक प्रत्येक पहाड़ी जिले में भारत के पक्ष में एक मजबूत उपस्थिति हैं। यही कारण है कि सबसे गंभीर राजनीतिक संकट, जैसे कि 1989 की नाकेबंदी और 2020 के नक्शे से जुड़े विवाद होने के बावजूद, दोनों देशों के बीच सैन्य संबंध कायम रहे। दोनों देशों के बीच एक विशिष्ट परस्पर परंपरा के तहत एक देश के सेना प्रमुख को दूसरे देश की सेना का 'मानद जनरल' माना जाता है।

लेकिन 'अग्निपथ' योजना ने इस महत्वपूर्ण पुल को तोड़ दिया। काठमांडू का तर्क है कि चार साल की सेवा और केवल 25 फीसदी सैनिकों को ही स्थायी सेवा में रखने का प्रावधान, 1947 के त्रिपक्षीय समझौते का उल्लंघन है। इस समझौते में नेपाली नागरिकों की भर्ती, सेवा और उनके पुनर्वास का वादा किया गया था। परिणामस्वरूप, 2020 (जब कोविड-19 महामारी शुरू हुई थी) के बाद से नेपाल के किसी भी व्यक्ति की भर्ती भारतीय सेना में नहीं हुई है। लगभग 15,000 सैनिक सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

भारतीय सेना में भर्ती न हो पाने के कारण, नेपाल के युवा पहले ही रूस जा चुके हैं। कुछ लोगों ने तो यहां तक कहा है कि अगर उन्हें अच्छी तनख्वाह मिले, तो वे चीन की 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी' में भी शामिल हो सकते हैं। वैसे चीन को ऐसा करने की जरूरत भी नहीं है। उसे बस प्रशिक्षण और स्कॉलरशिप देने की जरूरत है, साथ ही यह विचार दिमाग में भरना है कि भारत ने गोरखाओं से किनारा कर लिया है।

### धर्म-ज्योतिष

## यहां सूर्यास्त के बाद नहीं रुकता कोई, रात में वीरान हो जाते हैं 900 मंदिर

भारत को मंदिरों का देश कहा जाता है। भारत में कई प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर हैं, जोकि बेहद प्राचीन होने के साथ अपने आप में तमाम रहस्यों को समेटे हुए हैं। बता दें कि भारत में एक ऐसा पर्वत है, जहां पर 1-2 नहीं बल्कि पूरे 900 मंदिर स्थित है। इस कारण यह पर्वत कई मायनों में बेहद खास होता है। वहीं इन



मंदिरों के दर्शन के लिए दूर-दूर से भक्त यहां पर दर्शन के लिए आते हैं। यहां पर हर साल कार्तिक माह की पूर्णिमा तिथि को भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन इस पहाड़ी पर सूर्यास्त के बाद जाने की मनाही है। माना जाता है कि सूर्यास्त के बाद देवता इस पवित्र पहाड़ी पर विश्राम के लिए आते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस पवित्र पहाड़ी और यहां पर बने मंदिरों के बारे में बताने जा रहे हैं। गुजरात के भावनगर से करीब 51 किमी दूर दक्षिण-पश्चिम में हलचल और धूल भरा शहर पालीताना स्थित है। इसको शत्रुंजय पहाड़ी की पहाड़ियों पर बसे अनोखे मंदिर का शहर कहा जाता है। पहाड़ी की चोटी पर स्थित मंदिर में जैन धर्म के पहले तीर्थंकर ऋषभ देव ने अपना पहला उपदेश देकर पवित्र किया था।

### समसामयिक

## ऊर्जा सुरक्षा और खाद्य आपूर्ति को कीजिए मजबूत

**भू-राजनीतिक** तनाव, ऊर्जा संकट और मौसम की मार के कारण वैश्विक महंगाई का दबाव बढ़ रहा है। भारत सहित दुनिया के कई देशों में इसका असर आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा के खर्चों पर पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की अक्तूबर, 2026 की 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक महंगाई की औसत दर 2025 के 4.1 फीसदी से बढ़कर 2026 में 4.7 फीसदी रहने का अनुमान है। विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में यह दर 5.7 फीसदी, जबकि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में 3.2 फीसदी रह सकती है। पश्चिम एशिया में संघर्ष, होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल की आपूर्ति में बाधा, रूस-यूक्रेन युद्ध और खाद्य उत्पादन पर मौसम के असर से दुनियाभर के बाजार प्रभावित हो रहे हैं। इससे आयात पर निर्भर देशों की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

वर्ष 2007-08 में खाद्य और तेल संकट तथा 2021-23 में कोविड महामारी के बाद आपूर्ति शृंखला में आई बाधाओं ने वैश्विक



महंगाई को तेज किया। वर्ष 2022 में विकसित अर्थव्यवस्थाओं में महंगाई 7.3 फीसदी और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में 9.6 फीसदी तक पहुंच गई। वस्तुतः महंगाई बढ़ने के पांच प्रमुख कारण हैं। इनमें सबसे बड़ी वजह भू-राजनीतिक संघर्ष है। रूस-यूक्रेन युद्ध और मध्य पूर्व के संकट ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और आपूर्ति व्यवस्था को प्रभावित किया है। ब्लैक सी क्षेत्र से अनाज के निर्यात और समुद्री परिवहन में बाधाओं से खाद्य आपूर्ति प्रभावित होती है। इससे माल ढुलाई और कच्चे माल की लागत भी बढ़ती है। दूसरी बड़ी वजह तेल की बढ़ती कीमतें हैं। मध्य पूर्व के संकट से तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित होने पर कीमतें बढ़ती हैं। इसका असर पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवहन, बिजली, खाद्य उत्पादन और रोजमर्रा की वस्तुओं की लागत भी बढ़ जाती है। अर्थशास्त्र में इसे 'नेगेटिव सप्लाई शॉक' कहा जाता है।

तीसरी वजह विकसित देशों में सरकारी खर्च का बढ़ना है। अमेरिका और यूरोप सहित कई विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सरकारें विभिन्न योजनाओं पर अधिक खर्च कर रही हैं। इससे बाजार में मांग बढ़ती है और उत्पादन उसी अनुपात में नहीं बढ़ने पर वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमतें ऊपर जाने लगती हैं। चौथी वजह जलवायु परिवर्तन है। सूखा, बाढ़, अत्यधिक गर्मी और अनियमित बारिश कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रही हैं। इससे खाद्यान्न की पैदावार घटने और आपूर्ति प्रभावित होने का खतरा है। मांग की तुलना में उपलब्धता कम होने पर खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ जाती हैं।

### व्यापार

## 'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस' पर मिलेंगे गोपाल रत्न पुरस्कार

### डेयरी क्षेत्र के लिए जारी होगा क्लाइमेट-रेजिलिएंट रोडमैप केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में होंगे शामिल, कई डेयरी परियोजनाओं का भी होगा उद्घाटन

मृदुभाषी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार पटना में आयोजित होने वाले 'राष्ट्रीय दुग्ध दिवस' (नेशनल मिल्क डे) समारोह के दौरान देश के सर्वोच्च डेयरी सम्मानों में शुमार 'राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार' प्रदान करेगी। इस मौके पर पशुधन और डेयरी क्षेत्र के लिए 'क्लाइमेट-रेजिलिएंट रोडमैप' (जलवायु-अनुकूल रोडमैप) लॉन्च करने के साथ-साथ कई प्रमुख डेयरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया जाएगा। समारोह में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) मुख्य अतिथि होंगे, जबकि बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय राज्य मंत्री एस.पी. सिंह बघेल और बिहार के डेयरी एवं मत्स्य पालन मंत्री नंद किशोर राम विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

स्वदेशी गाय और भैंस की नस्लों के संरक्षण तथा डेयरी उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए दिए जाने वाले 'राष्ट्रीय गोपाल



रत्न पुरस्कार' तीन श्रेणियों—स्वदेशी नस्लों का पालन करने वाले डेयरी किसान, कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन और डेयरी सहकारी समितियों या उत्पादक संगठनों—में प्रदान किए जाएंगे। इसके तहत पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों के विजेताओं को विशेष पुरस्कार भी दिए जाएंगे। समारोह में राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम के अंतर्गत पटना और मुजफ्फरपुर में 'मिनरल मिक्सचर प्लांट', समस्तीपुर की 'मिथिला मिल्क यूनियन' में 'एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट' और दूध संग्रह व डेटा प्रोसेसिंग इकाइयों का उद्घाटन होगा। साथ ही, पशुपालन बुनियादी ढांचा विकास कोष की मदद से पटना के पास बिहटा में निर्मित 'नमस्ते इंडिया' के 2 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले दूध प्रसंस्करण संयंत्र को राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा और पशु चिकित्सा दवा बिक्री केंद्रों के लिए प्रमाण पत्र भी बांटे जाएंगे। समारोह के दौरान डेयरी सहकारी समितियों और दुग्ध उत्पादक संगठनों की रेटिंग व ग्रेडिंग में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से मानक संचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) और एक ऑनलाइन पोर्टल भी जारी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 'विकसित भारत @2047' के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए पशुपालन और डेयरी क्षेत्र के लिए 'क्लाइमेट-रेजिलिएंट रोडमैप' तथा 1 मार्च 2025 से 28 फरवरी 2026 तक किए गए सर्वेक्षण पर आधारित 'बुनियादी पशुपालन सांख्यिकी 2026' पेश की जाएगी, जिसमें दूध, अंडे, मांस और ऊन के उत्पादन से जुड़े आंकड़े शामिल हैं। कार्यक्रम में प्रगतिशील डेयरी किसानों से संवाद के साथ ही 'सुधा' ब्रांड की मखाना खीर और रबड़ी की लॉन्चिंग तथा 'सुधा' बिक्री केंद्रों की चाबियां सौंपने जैसे आयोजन भी होंगे।

## टेलीकॉम स्टार्टअप और एमएसएमई के लिए बनेगा खास सलाहकार समूह

### मंत्री से सीधे हो सकेगी बातभारत मंडपम में आयोजित कॉन्क्लेव में सिंधिया का ऐलान, देसी तकनीक को वैश्विक पहचान दिलाने पर जोर

**नई दिल्ली।** दूरसंचार क्षेत्र में देसी नवाचार और कारोबार को नई रफ्तार देने के लिए केंद्र सरकार अब स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए अलग सलाहकार समूह गठित करेगी। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इस समूह के सदस्य नियमित रूप से उनके साथ बैठक कर सकेंगे और अपने कारोबार की दिक्कतों, जरूरतों व चुनौतियों पर सीधे चर्चा कर पाएंगे। सरकार का उद्देश्य भारतीय कंपनियों को अनुकूल माहौल देना है, ताकि भारत टेलीकॉम तकनीक के क्षेत्र में दुनिया के सामने अपनी मजबूत छाप छोड़ सके।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित टेलीकॉम स्टार्टअप्स और एमएसएमई कॉन्क्लेव में सिंधिया ने यह पहल साझा की। उन्होंने बताया कि जिस तरह दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी), उपकरण निर्माताओं (ओईएम), इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) और शोध व शैक्षणिक संस्थानों के लिए सलाहकार समूह काम कर रहे हैं, उसी तर्ज पर अब स्टार्टअप और एमएसएमई के लिए भी अलग समूह बनेगा। नियमित बैठकों में कारोबारी अपनी जमीनी समस्याएं और जरूरी



सहायता की मांग सीधे रख सकेंगे, जिनके आधार पर आगे की नीतियां व योजनाएं आकार लेंगी। सिंधिया ने कहा कि सरकार की भूमिका महज नियामक तक सीमित न रहकर उद्यमियों के सहयोगी की होगी, जिससे भारतीय कंपनियों को उत्पाद बनाने, बाजार में उतारने और कारोबार का विस्तार करने में आसानी हो। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को केवल विदेशी तकनीक के उपयोगकर्ता के रूप में नहीं रहना चाहिए।

## साइबर फ्रॉड पर लगाम के लिए RBI के नए नियम: बैंक एप में मिलेगा 'स्टॉप स्विच' बटन

मृदुभाषी। नई दिल्ली

डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित बनाने और साइबर फ्रॉड की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नए सुरक्षा नियम लाने की तैयारी कर रहा है। इन नियमों के लागू होने पर ग्राहकों को बैंक एप में 'स्टॉप स्विच' नाम का एक इमरजेंसी बटन मिलेगा, जिससे खाता या पासवर्ड हैक होने की आशंका पर एक क्लिक में पैसे निकलने की प्रक्रिया रोकी जा सकेगी। आरबीआई ने इन प्रस्तावित नियमों पर 14 दिसंबर 2026 तक सुझाव आमंत्रित किए हैं और इन्हें 1 जुलाई 2027 से लागू किया जा सकता है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत 'स्टॉप स्विच' एक इमरजेंसी बटन की तरह काम करेगा और संदिग्ध स्थिति में ग्राहक को तुरंत बैंक को



फोन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसे ऑन करते ही खाते से हर तरह का नया पेमेंट, नया ऑटो-डेबिट और किसी नए एप पर यूपीआई रजिस्ट्रेशन तुरंत बंद हो जाएगा, जबकि वेरिफिकेशन पूरा कर इसे दोबारा बंद किया जा सकेगा। हालांकि, इससे पूरा खाता फ्रीज नहीं होगा और खाते में पैसे आने, पहले से चल रही लोन ईएमआई, पुराने ऑटो-डेबिट और बैंक चार्ज की प्रक्रिया सामान्य रूप से जारी रहेगी। नए नियमों के बाद ग्राहकों को बैंक या एप्स की तय सीमा पर निर्भर रहने के बजाय खुद अपनी पेमेंट लिमिट सेट करने की सुविधा मिलेगी। ग्राहक एक बार में, किसी खास व्यक्ति को या दिनभर में भेजे जाने वाले कुल पैसों की सीमा तय कर सकेंगे। इसके अलावा, यह तय करने का विकल्प भी मिलेगा कि दिन के किस समय कौन-सा पेमेंट चैनल बंद रहेगा, जो डेबिट, क्रेडिट और प्रीपेड कार्ड पर भी लागू होगा। साथ ही, नया खाता खुलने पर डिजिटल पेमेंट सुविधा डिफॉल्ट रूप से बंद रहेगी और ग्राहक की मंजूरी के बाद ही सक्रिय होगी। आरबीआई बड़े भुगतान को और सुरक्षित बनाने के लिए वैकल्पिक 'ट्रस्टेड पर्सन' फीचर भी ला रहा है, जिसके तहत ग्राहक 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के किसी भरोसेमंद व्यक्ति को नॉमिनेट कर सकेंगे।

## हुआंग ने बोर्ड के सामने कबूले और रिश्ते



मृदुभाषी। नई दिल्ली

एनवीडिया के बहाल किए गए मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनसन हुआंग ने रविवार को कंपनी के निदेशक मंडल के साथ लंबी बैठक की। इस दौरान उन्होंने कथित तौर पर विवाहेतर संबंधों को लेकर कुछ और खुलासे किए। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब उन पर कम से कम चार महिलाओं से संबंध होने के आरोप हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, हुआंग ने निदेशकों को उन दो कथित संबंधों के अलावा कुछ और रिश्तों के बारे में बताया, जिनकी पहले से काफी चर्चा हो चुकी थी। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने यह जानकारी चर्चा से जुड़े लोगों के हवाले से दी है। ये खुलासे ऐसे समय हुए, जब निदेशक मंडल ने कई घंटों तक उनसे पूछताछ की। उनसे उनके व्यवहार, पारदर्शिता और सच बोलने को लेकर सवाल किए गए। इसके बाद सभी निदेशकों ने सर्वसम्मति से उन्हें फिर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाने के पक्ष में मतदान किया। हुआंग ने एलिस हुआंग के साथ संबंध होने की बात स्वीकार की है। अमेरिकी अधिकारियों को एलिस हुआंग पर चीनी खुफिया तंत्र से संबंध होने का शक रहा है। रिपोर्ट में एनवीडिया की दो महिला कर्मचारियों के साथ भी उनके संबंध होने के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में उन अतिरिक्त महिलाओं के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।निदेशक मंडल के सामने बताए गए इन संबंधों के बारे में भी कोई जानकारी नहीं दी गई है। हुआंग को फिर से कंपनी की कमान सौंपने से पहले निदेशक मंडल में कई बार चर्चा और बैठकें हुईं। इसके बाद निदेशकों ने कहा कि वे उनके जवाबों और स्पष्टवादिता से संतुष्ट हैं। उन्हें भरोसा है कि हुआंग एनवीडिया का नेतृत्व करने में सक्षम हैं।

### सांसद ने रातातलाई और बगवान्या में ग्रामीणों के बीच पहुंचकर जाना हालचाल, आयुष्मान कार्ड, राशन, बिजली की ली जानकारी

# झोपड़ी तक पहुंचीं सांसद सावित्री ठाकुर महिलाओं से जमीन पर बैठकर किया संवाद

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**धार।** जनसेवा का असली अर्थ केवल मंचों से घोषणाएं करना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझना और उनका समाधान सुनिश्चित करना है। इसी भावना के साथ केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री एवं धार-महू लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर ने ग्रामीण और आदिवासी अंचलों के प्रवास के दौरान एक सहज और आत्मीय पहल की। वे ग्राम रातातलाई और ग्राम बगवान्या में बुजुर्ग आदिवासी महिलाओं के घर पहुंचीं और उनके आंगन में बैठकर हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने न केवल परिवार और दैनिक जीवन से जुड़ी बातें कीं, बल्कि सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं, इसकी भी जानकारी ली।

गांव के दौरे के दौरान जब सांसद सावित्री ठाकुर बुजुर्ग माताजी के निवास पर पहुंचीं, तो वे अपने घर के आंगन में बैठी हुई थीं। सांसद ने औपचारिक मुलाकात और स्वागत-सत्कार की प्रतीक्षा करने के बजाय उनके पास ही बैठकर



आत्मीयता से बातचीत शुरू की। उन्होंने परिवार के सदस्यों, रोजमर्रा की दिनचर्या, जीवन की कठिनाइयों और जरूरी सुविधाओं के बारे में पूछा। जनप्रतिनिधि को अपने बीच इस तरह सहजता से बैठा देखकर ग्रामीणों ने भी अपनी बात रखी।

#### आंगन में बैठकर योजनाओं की जमीनी हकीकत जानी

इस मुलाकात का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी रहा कि सांसद ने बातचीत को केवल कुशलक्षेम पूछने तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने बुजुर्ग महिलाओं से पूछा कि उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नियमित रूप से मिल रहा है या नहीं। आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य सुविधाओं और आयुष्मान कार्ड की उपलब्धता, घर में बिजली की व्यवस्था, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से मिलने वाले राशन तथा विधवा पेंशन जैसी सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने यह समझने का प्रयास किया कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक किस स्थिति में पहुंच रहा है और कहीं किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं आ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई बार जानकारी के अभाव अथवा प्रक्रियागत दिक्कतों के कारण पात्र हितग्राही योजनाओं से वंचित रह जाते हैं। ऐसे में सीधे हितग्राहियों से संवाद करना योजनाओं की वास्तविक स्थिति जानने का एक प्रभावी माध्यम है।

#### समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचना प्राथमिकता

अंत्योदय की भावना से जनसेवा का संकल्प

इस दौरान सांसद सावित्री ठाकुर ने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में उनकी प्राथमिकता समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचना, उसकी समस्याओं को समझना और उनका निराकरण करवाना है। सरकार की योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब उनका लाभ गरीब, वंचित, आदिवासी और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का संकल्प है कि कोई भी पात्र व्यक्ति अपने अधिकारों और जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। स्वास्थ्य, खाद्यान्न, बिजली, पेंशन और अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

#### सांसद ने कहा-जनसेवा के प्रयास लगातार जारी रहेंगे

सांसद सावित्री ठाकुर ने कहा कि अंत्योदय की इसी भावना के साथ जनसेवा के प्रयास लगातार जारी रहेंगे। सादगी भरे संवाद ने दिया जनसेवा का संदेश सांसद का बुजुर्ग आदिवासी महिलाओं के बीच पहुंचकर उनके आंगन में बैठना और पारिवारिक सदस्य की तरह बातचीत करना ग्रामीण प्रवास का एक आत्मीय दृश्य रहा। इस पहल ने यह संदेश दिया कि जनप्रतिनिधि और आमजन के बीच संवाद केवल सार्वजनिक कार्यक्रमों और औपचारिक बैठकों तक सीमित नहीं होना चाहिए। गांव की झोपड़ी, घर का आंगन और जरूरतमंद परिवार की चौखट तक पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनना भी जनसेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

# पूर्णिमा पर किया गया माँ नर्मदा जी का पूजन-अर्चन

### सात माता मंदिर पर चलाया स्वच्छता अभियान




मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**कसरावद।** मंगलवार को ग्राम पानवा स्थित प्रसिद्ध सात माता मंदिर पर जन अभियान परिषद द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसके साथ ही पूर्णिमा पर मां नर्मदा जी का पूजन अर्चन के साथ घाट सफाई की।

उल्लेखनीय है कि ग्राम पानवा स्थित सात माता मंदिर पर प्रति मंगलवार हजारों की संख्या में श्रद्धालु स्थान, पूजन एवं दर्शन के लिए आते हैं। इसी के तहत सेक्टर 2 में मप्र जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था श्री हरि सेवा संस्थान द्वारा सात माता मंदिर पर मंगलवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत मंदिर परिसर एवं स्नान कुण्डों के आस पास साफ सफाई की गई। परिसर से कचरा, पॉलीथिन, पन्नियां, फुल मालाएं एवं नारियल की नट्टीया एकत्रित की जाकर उन्हें कचरा निपटान स्थल पर डाला। इसके साथ ही श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों को परिसर की स्वच्छता बनाने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में ब्लॉक समन्वयक कालू सिंह मंडलोई, सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश पाटीदार, नवांकुर संस्था के संतोष चौहान, सुधीर सराफ, मेंटर भावना पटेल, राकेश चौहान,सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थी उषा गेहलोत, किरन आजनारे, नितिन, रुपाली पटेल, रानु पटेल, श्वेता पटेल, रीना राठौर, निलेश धनगर, कान्हा धनगर आदि उपस्थित रहे।

# बरामदे से 372 लीटर बीयर जब्त

### मकान के बरामदे में रखी थी बीयर, आरोपी फरार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**आलीराजपुर।** जिले की बोरी पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 31 पेटी अवैध बीयर जब्त की है। बरामद की गई कुल 372 बल्क लीटर बीयर की अनुमानित कीमत 74 हजार 400 रुपए बताई गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्योति उमठ बघेल ने जानकारी दी कि पुलिस अधीक्षक समर वर्मा के निर्देशन और एसडीओपी जोबट आशुतोष पटेल के पर्यवेक्षण में अवैध शराब के संग्रहण, विक्रय व परिवहन पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत यह कार्रवाई की गई है।

पुलिस के अनुसार अभियान के तहत 24 नवंबर को बोरी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम चुलिया के अखाड़िया फलिया निवासी तेरसिंह पिता बसकिया अखाड़िया के मकान के बरामदे में अवैध शराब रखी



हुई है।

#### माउण्ट 6000 कंपनी की 31 पेटी बीयर

पुलिस के अनुसार सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर दबिश देकर तलाशी ली, जहां से माउण्ट 6000 कंपनी की 31 पेटी बीयर मिलीं। पुलिस के अनुसार, इनमें 26 पेटी पर बैच क्रमांक 177/2026 दिनांक 7 नवंबर 2026 तथा 5 पेटी पर बैच क्रमांक 168/2026 दिनांक 28 अक्टूबर 2026 दर्ज था। प्रत्येक पेटी में 24 टीन के हिसाब से कुल 744 बीयर के डिब्बे बरामद किए गए। दबिश के दौरान आरोपी तेरसिंह घर पर नहीं मिला, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने अवैध शराब को विधिवत जब्त कर आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) और 36 के तहत अपराध क्रमांक 195/2026 पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है।

पुलिस के शराब तस्कर की जानकारी के लिए जहां मुखबिरों को सक्रिय किया गया है, वहीं अन्य तकनीकि संसाधनों की मदद भी ली जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपी उनकी गिरफ्त में होगा।

# श्रीजी को रजत पालकी में विराजित कर निकाली यात्रा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**नलखेड़ा।** कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा के पर भगवान श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर से श्रीजी का वन विहार हुआ। इसके तहत नगर में रथ यात्रा निकाली गई। रथ यात्रा में परमात्मा को रजत पालकी में विराजित कर समाज के युवा कंधों पर लेकर चल रहे थे।

श्रीजी की रथ यात्रा गाजे-बाजे तथा ढोल ढमाकों के साथ प्रारंभ हुई जो प्रमुख मार्ग से होती हुई पाड़ियाजी की बावड़ी पर पहुंची। वहां पर श्री जी की पूजन हुई, पूजन के पश्चात नेमीचंद सुनीलकुमार पांडिया की ओर से प्रभावना वितरण की गई। पूजन उपरांत रथ यात्रा पुनः चौक बाजार स्थित दिगंबर जैन मंदिर पहुंची वहां पर श्री जी का अभिषेक हुआ। पश्चात श्री जी को यथास्थान विराजमान किया गया। समाज के शैलेंद्र पाटनी ने बताया कि दिगंबर जैन समाज में कार्तिक पूर्णिमा पर यह परंपरा सैकड़ो वर्षों से चली आ रही है। पूर्णिमा के दिन से ही चातुर्मास का समापन भी होता है।



# सम्मेलन में 11 लाख सदस्यता का संकल्प

### भारतीय किसान संघ का महिला सम्मेलन आयोजित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**खरगोन।** भारतीय किसान संघ मालवा प्रांत का दो दिवसीय महिला सम्मेलन महेश्वर की पाटीदार समाज धर्मशाला में संपन्न हुआ। 23 और 24 नवंबर को आयोजित इस सम्मेलन में मालवा प्रांत से लगभग 200 महिलाएं उपस्थित रहीं। सम्मेलन में दीपदान, रैली एवं महिला सभा का आयोजन किया गया। 23 नवंबर को प्रांत भर से महिलाएं महेश्वर पहुंचीं। 24 नवंबर को महिलाओं ने मां नर्मदा का पूजन कर कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर दीपदान किया। इसके बाद संगठनात्मक विषयों पर गहन चर्चा की गई।

सम्मेलन में आगामी सदस्यता अभियान को लेकर महिलाओं ने विशेष उत्साह दिखाया। महिलाओं ने संकल्प किया कि आगामी अभियान में मालवा प्रांत में 11 लाख सदस्य बनाने के लक्ष्य को पूर्ण किया जाएगा। इसी क्रम में खरगोन जिले में 1 लाख सदस्य



बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सभा में वक्ताओं ने कहा कि किसान संगठन की मजबूती में महिलाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। जब महिला जागृत होती है, तब परिवार, गांव और संगठन सभी मजबूत होते हैं। महिलाओं ने गांव-गांव जाकर सदस्यता अभियान चलाने और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का निर्णय किया।

#### किसान हितों के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प

सम्मेलन के समापन पर सभी महिलाओं ने संगठन के विस्तार और किसान हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। सम्मेलन में मुख्य रूप से हिमानी विश्वकर्मा, गायत्री परिवार प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश पाटीदार, प्रदेश मंत्री राजेंद्र शर्मा, प्रांत अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण पटेल, प्रांत मंत्री महेश ठाकुर, प्रांत महिला संयोजिका वैशाली मालवीय, प्रांत युवा वाहिनी प्रमुख श्याम सिंह पवार, खरगोन जिला अध्यक्ष सदाशिव पाटीदार और महेश्वर तहसील अध्यक्ष जगदीश पाटीदार उपस्थित रहे।

# रमेशचन्द्र शर्मा को मिला कैबिनेट मंत्री का दर्जा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**नलखेड़ा।** मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष रमेशचन्द्र शर्मा को राज्य सरकार द्वारा कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्रदान किया गया है। शासन द्वारा मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी कल्याण समिति नियम, 2012 के नियम 3(ख) को शिथिल करते हुए यह महत्वपूर्ण



निर्णय लिया गया है। इस महत्वपूर्ण निर्णय पर मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ, जिला आगर मालवा के समस्त सदस्यों एवं पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए रमेशचन्द्र शर्मा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष अनिल सोनी ने कहा कि श्रशर्मा को कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिलना प्रदेश के समस्त शासकीय कर्मचारियों के लिए गौरव एवं हर्ष का विषय है। उनके अनुभव एवं नेतृत्व से कर्मचारी कल्याण से जुड़े विषयों को शासन स्तर से हल करवाने में काफी मदद प्राप्त होगी।

# पेंशनर्स एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी का हुआ गठन

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**खरगोन।** शासकीय सेवानिवृत्त पेंशनर्स एसोसिएशन की मासिक बैठक बीटीआई रोड़ साईनाथ कॉलोनी स्थित जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष इंजी. राधेश्याम पाटीदार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिला कार्यकारिणी का गठन एवं तहसील अध्यक्षों का मनोनयन किया गया।

जिला कार्यकारिणी में इंजी. पाटीदार को दोबारा जिलाध्यक्ष चुना गया। संरक्षक नरेन्द्रसिंह चावला, सखाराम यादव, डॉ.



रमेश परसाई, पीके गुप्ता महेश्वर, कार्यकारी अध्यक्ष इंजी. नरेन्द्र सिंह तंवर, बाबूलाल राठौर और वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालकृष्ण डोंगरे कसरावद को चुना गया। सचिव रमेशचन्द्र मण्डलोई, कार्यालय सचिव तेजकरण गुप्ता, प्रवक्ता श्रीराम राठौर, संयोजक सदानंद घोड़े, कोषाध्यक्ष डॉ. विष्णु कुमार शर्मा और सह कोषाध्यक्ष दिलीप जगथापी को बनाया गया। समन्वयक राजेन्द्र तिवारी, महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष डॉ पुष्पा पटेल के अलावा उपाध्यक्ष, महासचिव, संगठन सचिव, संयुक्त सचिव एवं सह सचिव पदों पर भी वरिष्ठ सदस्यों को मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी में तहसील अध्यक्ष के पद पर विक्रम सिंह तंवर, खरगोन ग्रामीण रमाकांत बार्चे, महेश्वर सुभाषचंद दूबे मण्डलेश्वर, रामेश्वर पाटीदार सनावद, डॉ. सुभाषचन्द्र सोहनी भीकनगांव, केदारनाथ सोहनी कसरावद, विजयकुमार भार्गव झिरनिया, अनिल अवस्थी गोगांवा एवं शिवशंकर गुप्ता बड़वाह डीआर पटेल का मनोनयन किया गया।

**विकास** विकास यात्रा को मिलेगी नई पटरी, अब बसों के भरोसे नहीं रहेगा धार

# इंतजार खत्म, दिसंबर में धार तक दौड़गी मेमू

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**धार।** अब तक बसों में धक्के खाते हुए इंदौर पहुंचने वाले धार और आसपास के आदिवासी अंचल के लोगों के लिए राहत की उम्मीद जगी है। वर्षों से रेल कनेक्टिविटी का इंतजार कर रहे धार जिले के लोगों का सपना जल्द पूरा हो सकता है। इंदौर-दाहोद रेल परियोजना के तहत इंदौर से धार के बीच दिसंबर तक मेमू ट्रेन शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। सीआरएस निरीक्षण रिपोर्ट में रेल परिचालन को हरी झंडी मिलने के बाद रेलवे ने यात्री सेवा शुरू करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। यदि प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार सब कुछ हुआ तो दिसंबर में धार पहली बार नियमित यात्री रेल सेवा से जुड़ सकता है।

#### पीएम मोदी और रेल मंत्री को बुलाने की तैयारी

ट्रेन के शुभारंभ समारोह को भव्य बनाने की तैयारी भी की जा रही है। केंद्रीय महिला एवं




बाल विकास राज्यमंत्री एवं धार-महू सांसद सावित्री ठाकुर ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यात्री ट्रेन शुरू होने से पहले स्टेशन पर सभी आवश्यक सुविधाएं पूरी कर ली जाएं। उन्होंने बताया कि शुभारंभ समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की मौजूदगी के लिए संवाद और प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि, अभी शुभारंभ की आधिकारिक तारीख और अतिथियों की उपस्थिति की पुष्टि नहीं हुई है। इंदौर-दाहोद रेल परियोजना के तहत इंदौर से धार के बीच रेल परिचालन शुरू करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। सीआरएस निरीक्षण के बाद रिपोर्ट में संचालन को ओके किए जाने से यात्री ट्रेन चलने का रास्ता साफ हुआ है।।

#### किसानों और श्रमिकों को लाभ

धार में रेल सेवा शुरू होने का असर केवल इंदौर आने-जाने वाले यात्रियों तक सीमित नहीं रहेगा। जिले के दूरस्थ आदिवासी अंचलों के विद्यार्थियों, श्रमिकों, किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को भी इसका लाभ मिलने की उम्मीद है। अभी इंदौर पहुंचने के लिए बड़ी संख्या में लोगों को सड़क मार्ग और बसों पर निर्भर रहना पड़ता है। रेल सेवा शुरू होने से सफर अधिक सुविधाजनक और किफायती हो सकेगा। साथ ही स्थानीय व्यापार, औद्योगिक गतिविधियों, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर विकसित होने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

#### जंक्शन बनाने की योजना

इंदौर से धार तक यात्री ट्रेन शुरू होने के साथ ही परियोजना के अगले विस्तार पर भी नजर है। धार से करीब आठ किलोमीटर आगे तिरला तक रेल लाइन ले जाने का प्रस्ताव है। भविष्य में तिरला को बड़े रेल जंक्शन के रूप में विकसित करने की योजना है। यहां इंदौर-दाहोद रेल परियोजना और छोटा उदयपुर-धार रेल लाइन के जुड़ने का प्रस्ताव है। दोनों रेल मार्गों के मिलने से मालवा-निमाड़ का आदिवासी बहुल क्षेत्र गुजरात के रेल नेटवर्क से सीधे जुड़ सकेगा।

# 1.93 लाख की साइबर ठगी करने वाला महाराष्ट्र से गिरफ्तार, ईनामी भी पकड़ाया

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**आलीराजपुर।** पुलिस ने किराना व्यापारी से मोबाइल हैक कर लाखों रुपए की ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही संपत्ति संबंधी मामले में फरार एक हजार रुपए के इनामी आरोपी को भी पुलिस ने दबोच लिया है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्योति उमठ बघेल ने बताया कि 13 सितंबर 2026 को रणछोड़राय मार्ग निवासी किराना व्यापारी संदीप माहेश्वरी ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्ति ने उनका मोबाइल हैक कर छह बार में खाते से 1 लाख 93 हजार 1 रुपए निकाल लिए। इस पर पुलिस ने धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के



दौरान ठगी की रकम जिस बैंक खाते में गई थी, उसकी जानकारी, मोबाइल नंबर और सीडीआर के आधार पर आरोपी का सुराग मिला। इसके बाद पुलिस की एक टीम महाराष्ट्र भेजी गई और पुणे जिले के नारायणगांव स्थित ग्राम आरवी निवासी आरोपी नागेश पिता रामदास सिंगारे को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 47 हजार रुपए नकद जब्त किए हैं।

#### एक हजार का ईनामी गिरफ्तार

इसके साथ ही दूसरी कार्रवाई में इंदौर जोन के पुलिस महानिरीक्षक द्वारा संपत्ति संबंधी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने एक हजार रुपए के ईनामी को गिरफ्तार किया है।आरोपी बारम पिता केन्दु मुवेल निवासी हटु फलिया, उदयगढ़ को गिरफ्तार किया है। इन दोनों कार्रवाइयों में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक सोनू सिटोले सहित पुलिस व साइबर टीम के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।

### राष्ट्रीय रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं को 40 हजार रुपए की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया

# अनमोल रिश्ते-2 से जोड़े जाएंगे समाज के 1000 से अधिक परिवार

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**मंदसौर।** विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए बेहतर जीवनसाथी की तलाश को आसान बनाने की दिशा में अखिल भारतीय पोरवाल युवा संगठन ने नई पहल की है। संगठन की ओर से तैयार 'अनमोल रिश्ते-2' परिचय पुस्तिका का समारोहपूर्वक विमोचन किया गया।

इसमें विभिन्न नगरों के 1000 से अधिक युवक-युवतियों के बायोडाटा संकलित किए गए हैं। पुस्तिका के माध्यम से समाज के परिवारों को आपसी परिचय और वैवाहिक संबंधों के लिए एक साझा मंच मिलेगा।समारोह की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र उदिया ने की। मुख्य अतिथि पोरवाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश काला (शामगढ़) तथा विशेष अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी एवं पुस्तिका परामर्शदाता ओमप्रकाश चौधरी (मंदसौर) रहे। विशिष्ट अतिथियों में पोरवाल महासभा के संरक्षक बंसीलाल धनोतिया, पोरवाल चैरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष जगदीश चौधरी, संगठन के संरक्षक गोविंद डबकरा एवं नगर



पंचायत गरोठ अध्यक्ष राजेश सेठिया , पोरवाल समाज अध्यक्ष मनोज मुजावदीया शामगढ़ शामिल रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र उदिया ने कहा कि 'अनमोल रिश्ते' केवल परिचय पुस्तिका नहीं, बल्कि समाज के परिवारों को जोड़ने का माध्यम है।

#### परिवारों के बीच संपर्क बढ़ाना है उद्देश्य : उदिया

उदिया ने कहा कि 'अनमोल रिश्ते' का उद्देश्य विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए उपयुक्त जीवनसाथी की तलाश में सहयोग करना और परिवारों के बीच संपर्क बढ़ाना है।पुस्तिका के संकलन एवं प्रकाशन में मांगीलाल सेठिया, अशोक रत्नावत, कृष्णकांत मोदी, जगदीश घाटिया, संजय पोरवाल, अजय पोरवाल, संजय धनोतिया, सोनू सेठिया एवं अंशुल रत्नावत सहित अन्य सहयोगियों की भूमिका के लिए आभार व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पवन मुनिया, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष अंकित रुद्राक्ष, मध्यप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र काला, नीमच जिला अध्यक्ष कमलेश पोरवाल, मंदसौर जिला अध्यक्ष प्रतीक गुप्ता सहित राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी और विभिन्न नगरों के अध्यक्ष उपस्थित रहे। समारोह में संगठन की ओर से लगातार छह वर्षों से आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय रंगोली प्रतियोगिता-2025 के विजेताओं को भी सम्मानित किया गया। उन्हें लगभग 40 हजार रुपए की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इस प्रतियोगिता के माध्यम से संगठन समाज की कला एवं सांस्कृतिक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास कर रहा है।

# मरीजों की जान से खिलवाड़ कर रहे झोलाछाप चिकित्सक

### डिग्री बीईएमएस, फिर भी एलोपैथिक से किया जा रहा इलाज, जिम्मेदारों ने साधी चुप्पी

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**मंडलेश्वर।** नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में झोलाछाप चिकित्सकों का जाल बिछा हुआ है। यह झोलाछाप चिकित्सक मरीजों की जान से खिलवाड़ करने में लगे हुए है। निजी क्लीनिकों में बैठने वाले कथित डॉक्टर मरीजों को बोतल चढ़ा रहे हैं, इंजेक्शन लगा रहे हैं और एलोपैथिक दवाइयां लिखकर दे रहे हैं। बताया जाता है कि इन कथित चिकित्सकों को पास बीईएमएस की डिग्री है, किन्तु यह मरीजों का इलाज एलोपैथिक तरीके से कर रहे है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या संबंधित डॉक्टरों को इस प्रकार इलाज करने की कानूनी अनुमति है? यदि इलाज के दौरान किसी मरीज की तबीयत बिगड़ती है या कोई गंभीर घटना होती है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी?

स्थानीय स्तर पर सामने आ रही शिकायतों के अनुसार, कुछ चिकित्सकों के पास बी.ई.एम.एस जैसी डिग्रियां हैं, लेकिन उनके द्वारा एलोपैथिक पद्धति से उपचार किए जाने के आरोप लगाए जा रहे




हैं। मंडलेश्वर में मटन मॉर्केट में स्थित एक कथित चिकित्सक के संबंध में भी शिकायत सामने आई है। बताया जा रहा है कि उनके पास बीईएमएस की डिग्री है, इसके बावजूद उनके यहां एलोपैथिक दवाइयां देने, इंजेक्शन लगाने और मरीजों को बोतल तक चढ़ाई जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की विभागीय जांच होना आवश्यक है।

#### राजनीतिक संरक्षण या विभागीय अनदेखी?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि इस तरह के क्लीनिक संचालित हो रहे हैं तो स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित निरीक्षण क्यों नहीं किया जा रहा है? क्या संबंधित चिकित्सकों को किसी का राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है या फिर वे राजनीतिक पहुंच का हवाला देकर कार्रवाई से बच रहे हैं? लोगों का मानना है कि इन बिंदुओं की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति या जनप्रतिनिधि द्वारा नियमों के विरुद्ध संचालित क्लीनिक को संरक्षण दिए जाने की पुष्टि होती है तो उसके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

#### स्वास्थ्य विभाग से जांच और कार्रवाई की मांग

लोगों का मानना है कि मंडलेश्वर नगर सहित आसपास के गांवों में संचालित निजी क्लीनिकों की जांच कर यह पता लगाया जाना जरूरी है कि कौन-सा चिकित्सक किस डिग्री और पंजीयन के आधार पर उपचार कर रहा है। साथ ही यह भी जांच हो कि मरीजों को एलोपैथिक इंजेक्शन और ड्रिप किसकी अनुमति से लगाई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग को ऐसे सभी मामलों में निष्पक्ष जांच कर नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि आम नागरिकों की जान और स्वास्थ्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ न हो।

#### इनका कहना है...

बीएचएमएस और बीईएमएस डिग्रीधारी चिकित्सकों को एलोपैथिक पद्धति से इलाज करने, इंजेक्शन लगाने और बोतल चढ़ाने की पात्रता नहीं है। यदि ऐसे चिकित्सक कहीं एलोपैथिक इलाज करते हुए दिखाई देते हैं तो तत्काल स्वास्थ्य विभाग को इसकी सूचना दें। शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

**डॉ. अतुल गौर**
**ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर**

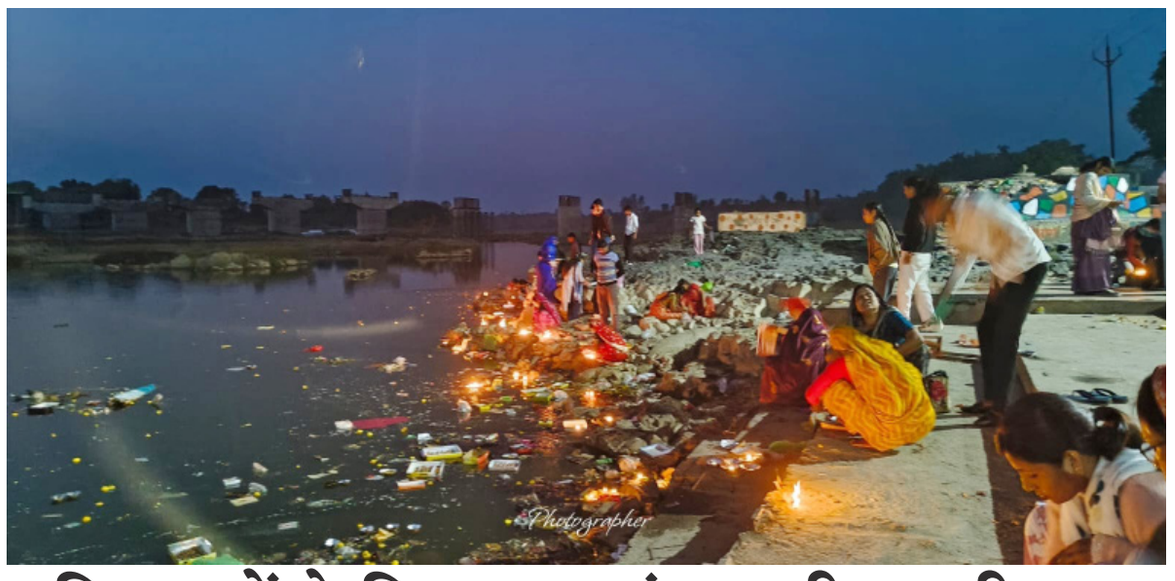

# महिलाओं ने किया लखुंदर नदी पर दीपदान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**नलखेड़ा।** कार्तिक पूर्णिमा पर्व पर मंगलवार देर शाम व रात्रि तक लखुंदर नदी में पूजा अर्चना व विधि विधान से दीप दान किया गया। माँ बगलामुखी मंदिर के पीछे स्थित लखुंदर नदी पर महिलाओं द्वारा आटे के दीपक बनाकर उनकी पूजा अर्चना कर विधि विधान से नदी में दीप दान किया गया। कई महिलाओं द्वारा मछलियों के भोजन के लिए आटे की गोलियां बनाकर नदी में डाली गई। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं दीप दान करने घाट पर पहुंची थी।

कार्तिक पूर्णिमा पर नदी में दीपदान करने का धार्मिक महत्व के चलते नगर मे भी बडी संख्या में महिलाएं लखुन्दर नदी के तट पर पहुंची। जहां उनके द्वारा परिवार सहित नदी के जल की पूजा-अर्चना कर कागज की तश्तरी में दीप रखकर दीपदान किया गया। मान्यता है कि कार्तिक मास की पूर्णिमा के दिन देवता धरती पर आए थे, वहीं भगवान विष्णु ने श्रवासापुरा राक्षक को मारने के लिए इस दिन ही मत्स्यावतार ले कर राक्षस कर वध किया था। इस हेतु से भी इस दिन का बहुत महत्व होता है।

## पेट दर्द से शुरू हुई परेशानी, इलाज के दौरान छात्रा ने दम तोड़ा



**देवास।** जोशीपुरा की 19 वर्षीय महक की मौत से परिवार में मातम छा गया। पिछले कुछ दिनों से पेट दर्द से परेशान महक की सोमवार को अचानक हालत बिगड़ गई। परिजन उसे उपचार के लिए देवास से इंदौर ले गए, जहां रात में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, सोमवार को सेब खाने के बाद महक के पेट में दर्द बढ़ गया था। उसे उल्टी-दस्त की शिकायत भी हुई। पहले निजी डॉक्टर से उपचार कराया, फिर देवास के अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे इंदौर रेफर किया गया, लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। रिश्तेदार सलमान खान ने बताया कि महक पहले से भी बीमार थी। मंगलवार को शव का देवास जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद परिजनों को सौंप दिया गया। मौत की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति सामने आएगी। महक जीडीसी कॉलेज से निजी तौर पर पढ़ाई कर रही थी। परिवार में दो बहनें और एक भाई हैं। उसके पिता मैकेनिक का काम करते हैं।

# भगवान श्रीनाथ जी को लगाया गया छप्पन भोग



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**कांटाफोड़।** नगर के होलानी निवास रामाश्रय पर भगवान श्रीनाथ जी को छप्पन भौग का नैवैद्य लगाया। इस दौरान शेलेष होलानी राजेश होलानी मनोज होलानी परिवार द्वारा छप्पन पकवानों का नैवेद्य भगवान को समर्पित किया। रामाश्रय मे आयोजित अन्नकूट मे उपस्थित भक्तों का आयुष होलानी निशित होलानी एकांश होलानी ने स्वागत किया।

#### भक्तों ने किए मनमोहक झांकी के दर्शन

होलानी परिवार द्वारा निर्मित की भगवान की मनमोहक झांकी के उपस्थित भक्तो ने दर्शन किए। परिवार की उर्मिला देवी होलानी ने भगवान के स्वरुप के संबध मे जानकारी दी।

# वार्डों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार मेरी प्राथमिकता : महापौर

### नागरिकों ने माना महापौर का आभार, तुलादान के साथ जल देवी के सम्मान से विभूषित किया

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**खंडवा।** शहर के विभिन्न वार्डों में पेयजल संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए महापौर अमृता अमर यादव ने सूरजकुंड वार्ड के प्रगति नगर में भगवानव खेड़ापति हनुमान जी मंदिर से प्रगति नगर तक बिछाई गई नवीन पेयजल पाइपलाइन का लोकार्पण किया। इस पाइपलाइन के प्रारंभ होने से क्षेत्रवासियों को पेयजल आपूर्ति में बेहतर सुविधा मिलेगी। महापौर ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार एवं नागरिकों को स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। इस दौरान दादाजी वार्ड में रहवासियों द्वारा महापौर का तुलादान कर आत्मीय अभिनंदन किया गया तथा जल सुविधाओं के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों एवं जनसेवा के प्रति




समर्पण के लिए उन्हें जल देवी सम्मान से सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। इस दौरान महापौर ने नगर निगम द्वारा शहर में कराए जा रहे विकास कार्यों एवं पेयजल व्यवस्था के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी तथा वार्डवासियों की जल संबंधी समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के लिए आवश्यक पहल की।

#### आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन

समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि रामनगर में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं एवं क्षेत्रवासियों ने महापौर का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। महापौर के प्रयासों से वार्ड की जल संबंधी समस्याओं का पूर्ण निराकरण होने पर रहवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनका आभार माना तथा क्षेत्र में बेहतर पेयजल व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए धन्यवाद दिया।इसी क्रम में हाउसिंग बोर्ड, नागचून रोड स्थित वादी-ए-नूर वेलफेयर सोसाइटी द्वारा भी महापौर का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। सोसाइटी के पदाधिकारियों एवं कॉलोनीवासियों ने कॉलोनी की मूलभूत एवं जल संबंधी समस्याओं का पूर्ण निराकरण होने पर महापौर के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान महापौर ने कहा कि शहर के प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर जनसुविधाएं उपलब्ध कराना और नागरिकों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान करना ही नगर निगम का प्रमुख उद्देश्य है। महापौर अमृता यादव ने ने सभी कार्यक्रमों में उपस्थित नागरिकों से संवाद करते हुए कहा कि जनसेवा और खंडवा का सर्वांगीण विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शहर के प्रत्येक वार्ड की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों एवं मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।कार्यक्रमों में निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, पार्षद संतोष सारवान, सुनील जायसवाल, आशीष चटकले, सुनील जैन, डिंपल चौरसिया, रोशनी गोलकर, सीमा यादव, मंडल अध्यक्ष स्नेहा पाराशर, रोहित मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष प्रियांशु चौरे, नवनियुक्त एल्डरमैन लोकेन्द्र सिंह गौड़, रामचंद्र मौर्य, जिनेंद्र अग्रवाल, गोपाल खरात, संदीप अग्रवाल, प्रवीण थिटे, भोला पहलवान, मुकेश नाइकुड़े, बाला मोजर, नवनाथ चौहान, मंगल सिंह गौड़, लोकेश थिटे, कुणाल वर्मा एवं राज ठेकेदार सहित भाजपा के कुशल कार्यकर्ता सुमित भ्यारे, शांतम दुबे, शिवांश ओझा मौजूद रहे।

### निरीक्षण | सीआरएम टीम ने लिया स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा

# जर्जर पीएम कक्ष और एंबुलेंस जरूरत पर नहीं ध्यान

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**मोहनबड़ोदिया।** स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के 18वें कॉमन रिव्यू मिशन (सीआरएम) की टीम ने मोहन बड़ोदिया ब्लॉक का भ्रमण कर यहां संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान शाजापुर सीएमएचओ डॉ. कमला आर्य ने टीम की अगुवाई की। टीम ने अस्पतालों में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

हालांकि, इस निरीक्षण के दौरान मोहन बड़ोदिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की कुछ महत्वपूर्ण बुनियादी समस्याएं एक बार फिर चर्चा के केंद्र में नहीं आ सकीं। इनमें सबसे प्रमुख जर्जर पोस्टमार्टम (पीएम) कक्ष और मरीजों को गंभीर स्थिति में अन्य अस्पतालों में रेफर करने के लिए पर्याप्त एंबुलेंस की कमी का मुद्दा शामिल है। जिस परटीम ने ध्यान नहीं दिया। निरीक्षण के दौरान और इसके बाद भी यह चर्चा का विषय रहा।



#### लंबे समय से महसूस हो रही दो एंबुलेंस की आवश्यकता

स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए मोहन बड़ोदिया सीएचसी में कम से कम दो बीएलएस (बेसिक लाइफ सपोर्ट) एंबुलेंस की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। क्षेत्र में गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए दूसरे अस्पतालों में भेजना पड़ता है। ऐसे में पर्याप्त एंबुलेंस उपलब्ध होना बेहद जरूरी है। वहीं, शवों के सुरक्षित पोस्टमार्टम के लिए जर्जर पीएम कक्ष निर्माण अथवा मरम्मत भी प्राथमिकता से किया जाना चाहिए एक सप्ताह पहले से चल रही थीं तैयारियां सोमवार को हुए इस निरीक्षण को औचक निरीक्षण कहना भी उचित नहीं होगा, क्योंकि इसकी तैयारियां करीब एक सप्ताह पहले से ही शुरू कर दी गई थीं। सीएचसी परिसर में साफ-सफाई, पेड़ों की कटाई, विद्युत व्यवस्था और सजावट सहित अन्य व्यवस्थाओं को अधिकारियों के निर्देश पर पहले ही दुरुस्त कराया गया था। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या निरीक्षण के दौरान दिखाई गई व्यवस्थाएं केवल विशेष अवसरों तक ही सीमित रहेंगी या अस्पताल में पूरे साल इसी तरह साफ-सफाई और सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा?

#### निरीक्षण के बाद भी मूलभूत सुविधाओं का इंतजार

मोहन बड़ोदिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को वास्तव में बेहतर स्वास्थ्य केंद्र बनाना है तो केवल निरीक्षण और व्यवस्थाओं के प्रदर्शन से काम नहीं चलेगा। इसके लिए दो बीएलएस एंबुलेंस की उपलब्धता, सुरक्षित पोस्टमार्टम कक्ष और मरीजों को समय पर रेफर करने जैसी बुनियादी सुविधाओं पर ठोस निर्णय लेना जरूरी है, वहीं, निरीक्षण के दौरान इन समस्याओं को लेकर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने और उनका पक्ष जानने की कोशिश की गई, लेकिन संबंधित अधिकारी मामले में बाइट देने से बचते नजर आए। अब देखना यह होगा कि उच्च टीम के निरीक्षण के बाद मोहन बड़ोदिया की इन पुरानी समस्याओं का समाधान कब तक हो पाता है।

# मंडलेश्वर आ सकते है शंकराचार्य

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**मंडलेश्वर।** श्री विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य श्री श्री विधुशेखर भारती की महेश्वर यात्रा में मंडलेश्वर और चोली भी शामिल होने की संभावना हैं। इंदौर में जगतगुरु को न्योता देने गए प्रतिनिधि मंडल द्वारा दी गई जानकारी के बाद मंगलवार को जगतगुरु शंकराचार्य के निजी सहायक शमन्ता शर्मा ने मंडलेश्वर का दौरा किया।

सबसे पहले वें नर्मदा तट रामघाट पहुंचे और माँ नर्मदा के दर्शन कर नर्मदा आश्रय पहुंचे। जहाँ नगर परिषद अध्यक्ष विश्वदीप मोयदे ने मंडलेश्वर नगर, नर्मदा घाट और आश्रम की व्यवस्थाओ के बारे में जानकारी दी। इसके बाद निज सहायक ने गुप्तेश्वर मंदिर और छप्पन देव मंदिर के दर्शन कर उनकी जानकारी ली। पंडित पंकज मेहता ने दोनों मंदिरो का ऐतिहासिक और



पौराणिक महत्व बताया।

#### तत्कालीन मुख्यमंत्री ने किया था अभिनंदन

रत्नदीप मोयदे ने बताया किसन 1994 में में अनंत विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य श्री श्री भारती तीर्थ जी का नागरिक अभिनन्दन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और तत्कालीन मंत्री डॉ. विजय लक्ष्मी साधौ द्वारा किया गया। तब जगद्गुरु शंकराचार्य जी अपनी अखिल भारतीय विजय यात्रा पर थे । इस यात्रा के अंतर्गत ही जगद्गुरु शंकराचार्य मंडलेश्वर भी पहुंचे थे। जहाँ उनका स्वागत भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया थे, वहीं वें गुप्तेश्वर मंदिर पहुंचे थे । जहाँ उनका पाद पूजन किया गया था। जगद्गुरु के पीएस द्वारा मंडलेश्वर के धार्मिक स्थलों का दौरा करने से उनकी मंडलेश्वर यात्रा कि बड़ी आशा जागी हैं। इस अवसर पर गुप्तेश्वर मंदिर के महात्मा विनय पुरी महाराज, व्यापारी संघ अध्यक्ष अश्विन पाटीदार, ब्रह्मदत्त चौहान, मनोज शर्मा, वीरेंन्द्र पाटीदार, जीतेन्द्र केवट, पुष्पराज सिंह, संदीप हिरवे, सचिन पाटीदार एवं इतिहासकार दुर्गेश राजदीप सहित गणमान्य उपस्थित रहे।

# खड़े हनुमान जी पर डॉलर-यूरो समेत कई देशों की मुद्रा अर्पित





मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**उज्जैन।** भगवान खड़े हनुमान जी मंदिर की ख्याति विदेशों तक पहुंची, एक सप्ताह में उज्जैन के खड़े हनुमान मंदिर की प्रसिद्धी अब केवल स्थानीय या प्रदेश स्तर तक सीमित नहीं रही है, बल्कि इसकी चर्चा देश के कोने-कोने के साथ विदेशों में भी होने लगी है। कंठाल से छत्री चौक मार्ग के चौड़ीकरण के दौरान अपने स्थान पर अडिग रहे खड़े हनुमानजी के दर्शन के लिए अब विदेशी श्रद्धालु भी बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

सोशल मीडिया पर मंदिर से जुड़ी घटनाओं और चचाओं के वायरल होने के बाद भक्तों के बीच इस स्थल को लेकर आस्था और जिज्ञासा तेजी से बढ़ी है। इसी का परिणाम है कि बीते एक सप्ताह के भीतर मंदिर में अमेरिका, जॉर्डन, नेपाल और दुबई सहित अन्य देशों की करेंसी चढ़ाई गई है।

### नेपाल से करीब दो सौ श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

मंदिर के पुजारी महेश बैरागी ने जानकारी देते हुए बताया कि हाल ही में नेपाल से करीब दो सौ श्रद्धालुओं का जत्था भगवान के दर्शन करने उज्जैन पहुंचा था और इन भक्तों ने नेपाली मुद्रा अर्पित की। इसके अतिरिक्त अमेरिका से आए एक दंपती ने मंदिर में पांच अमेरिकी डॉलर चढ़ाए, जबकि एक अन्य श्रद्धालु द्वारा पांच यूरो भी अर्पित किए गए। दर्शन करने पहुंचे अमेरिकी दंपती ने बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से खड़े हनुमानजी के बारे में जाना और सुना, जिसके बाद वे स्वयं को दर्शन के लिए आने से रोक नहीं सके।

### दूर-दराज इलाकों से भी भक्त पहुंच रहे हैं

पुजारी महेश बैरागी के अनुसार, वर्तमान में खड़े हनुमानजी अस्थायी रूप से टेंट में विराजमान हैं, लेकिन इसके बावजूद सोशल मीडिया पर उनकी चर्चा लगातार बनी हुई है। अब न केवल विदेशों से बल्कि भारत के दूर-दराज इलाकों से भी भक्त पहुंच रहे हैं। सिक्किम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश जैसे पूर्वोत्तर राज्यों से भी श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया है। पहले जहां मुख्य रूप से आसपास के क्षेत्रों से ही भक्त दर्शन के लिए आते थे, वहीं अब देश-विदेश से श्रद्धालुओं की संख्या में निरंतर इजाफा हो रहा है।

**निर्माण कार्य में ठेकेदार की लापरवाही से बनी गंभीर स्थिति**

# गंदा पानी भरने पर इंजीनियर के पैर पकड़कर पार्षद ने जताया विरोध

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**उज्जैन।** सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत चल रहे निर्माण कार्य में ठेकेदार कंपनी की बड़ी लापरवाही सामने आई है। सोमवार रात सीवरेज लाइन डालने के कार्य के लिए बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था और वरिष्ठ अधिकारियों की पूर्व सूचना के मुख्य नाला बंद कर दिया गया। इसका खामियाजा मंगलवार सुबह शहर की कई कॉलोनियों के रहवासियों को भुगतना पड़ा। नाला बंद होने से पानी की निकासी पूरी तरह ठप हो गई और इंदिरानगर, गांधीनगर, जैन सेक्टर तथा 90 क्वॉर्टर सहित चार प्रमुख क्षेत्रों में गंदा पानी भर गया। कई स्थानों पर घरों के बाहर डेढ़ फीट तक गंदा पानी जमा हो गया, जिससे सड़कों पर तालाब जैसे हालात बन गए और लोगों का घरों से निकलना भी मुश्किल हो गया। इसकी जानकारी मिलने पर पार्षद दिलीप परमार मौके पर पहुँचे और उन्होने कंपनी के इंजीनियर को इसके लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनके पैर पकड़कर विरोध जताया। उनहोंने घटना पर आक्रोश व्यक्त किया है।

दरअसल, सिंहस्थ मेला क्षेत्र के अंतर्गत अंकपात रोड स्थित ग्यारहमुखी हनुमान मंदिर के सामने पटेल कंपनी द्वारा



सीवरेज लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। इसी नाले के माध्यम से गांधीनगर और फाजलपुरा समेत आधा दर्जन से अधिक इलाकों के पानी की निकासी होती है। सोमवार रात कंपनी के कर्मचारियों ने निर्माण कार्य की सुविधा के लिए नाले को अवरुद्ध कर दिया। रात भर पानी रुकने के कारण तड़के करीब 4 से 5 बजे के बीच जब कॉलोनियों और मंदिर परिसर में गंदा पानी घुसने लगा, तो परेशान रहवासियों ने तत्काल अपने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को फोन कर स्थिति से अवगत कराया।

### निगम के अधिकारियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी का आरोप

सूचना मिलते ही पार्षद दिलीप परमार और क्षेत्रीय पार्षद शिवेंद्र तिवारी सुबह ही मौके पर पहुंच गए। उन्होंने जलभराव की स्थिति को देखते हुए कंपनी के कर्मचारियों और इंजीनियरों को कड़ी फटकार लगाई। जब पार्षदों ने नाला बंद करने का कारण पूछा, तो कर्मचारियों ने किसी वरिष्ठ अधिकारी के निर्देश का हवाला दिया, लेकिन वे उस अधिकारी का नाम तक नहीं बता सके। इस दौरान पार्षद शिवेंद्र तिवारी ने कंपनी के इंजीनियर के व्यवहार पर भी कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि इंजीनियर नगर निगम के अधिकारियों को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहा था। रहवासियों की पीड़ा और मंदिर में गंदा पानी भरने से आहत पार्षद तिवारी ने विरोध का अनूठा तरीका अपनाते हुए इंजीनियर के सामने हाथ जोड़े और उसके पैर पकड़ लिए। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि धन्यवाद, आपने मंदिर, घरों और पूरे क्षेत्र में गंदा पानी भर दिया है।

### विरोध के बाद खुलवाया गया नाला

तिवारी ने स्पष्ट कहा कि जनता ने उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है और गलती चाहे किसी की भी हो, आम नागरिकों के घरों और धार्मिक स्थलों में गंदगी नहीं घुसनी चाहिए। जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों के लगातार विरोध तथा दबाव के बाद मंगलवार सुबह करीब 7 बजे बंद किए गए नाले को खुलवाया गया। नाला खुलते ही पानी की निकासी पुनः शुरू हुई। पार्षद के अनुसार, करीब 14 फीट गहरे इस नाले को पूरी तरह खाली होने में लगभग ढाई घंटे का समय लगा, जिसके बाद कॉलोनियों की सड़कों और घरों के बाहर जमा गंदा पानी धीरे-धीरे उतर सका और रहवासियों ने राहत की सांस ली।

# पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ में भक्तिभाव से दी आहूतियां



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**देवास।** प्रज्ञा मंडल मिश्रीलाल नगर देवास के तत्वावधान में अखंडदीप एवं परम वंदनीया माताजी के जन्म शताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत नक्षत्र वाटिका लोहाना में का भव्य एवं दिव्य आयोजन किया गया। शांतिकुंज हरिद्वार से प्राप्त निर्देश एवं तरंग स्रोत के निर्देशन में यह आयोजन पूर्ण वैदिक विधि-विधान से संपन्न हुआ ।

यज्ञ में गायत्री शक्ति पीठ की परंपरा के अनुसार गायत्री महामंत्र की आहुतियों से समस्त वातावरण गायत्रीमय हो गया यज्ञ के मुख्य आचार्य पंडित देवीशंकर तिवारी एवं आचार्य अरुण शैव्य के सानिध्य में यज्ञ संपन्न हुआ। यज्ञ में आठ जोड़े यजमान अरविंद गायत्री शर्मा, अनिल अनीता नागर, अशोक कमला चोहान, प्रमोद सरोज शर्मा, कुशाग्र उपासना शर्मा, मनीष प्रज्ञा व्यास, ब्रजकिशोर कुशुमलता व्यास, देवीशंकर साधना तिवारी, आदि जोड़े के रूप में अन्य परिजनों ने यज्ञ में भाग लिया। पंचकुंडीय यज्ञ में पांच कुंडों से उठती अग्नि की लपटें और आहुतियों की सुगंध ने उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

### गायत्री साधना, स्वाध्याय संयम और सेवा का संकल्प

प्रज्ञा मंडल अन्य गायत्री परिजनों ने भी श्रद्धापूर्वक आहुतियां दीं। यज्ञ के पश्चात परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा दी गई संकल्पना का वाचन कर सभी परिजनों ने संकल्प लिया सभी ने जीवन में गायत्री साधना, स्वाध्याय, संयम और सेवा को अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर परम वंदनीया माताजी भगवती देवी शर्मा के जीवन, त्याग और साधना को स्मरण किया गया। बताया गया कि माताजी ने अपना संपूर्ण जीवन गायत्री परिवार के विस्तार नारी जागरण और संस्कार निर्माण के लिए समर्पित कर दिया उनका जन्म शताब्दी वर्ष हम सभी के लिए प्रेरणा का वर्ष है उनके बताए मार्ग पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में अन्य परिजनों में गणेश व्यास, लक्ष्मण सिंह, कृष्ण पाल सिंह, जितेंद्र मोहरी, लक्षित दुबे, विष्णु प्रसाद राठौर, सुरेन्द्र दुबे, हुकुमचंद दरबार सहित अनेक गायत्री परिजन सम्मिलित हुए। अरविन्द शर्मा ने सभी का आभार माना।

# स्वयंसेवकों की कौशल विकास एवं क्षमता वृद्धि

**सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन, स्वयंसेवकों ने उत्साह से दर्ज कराई भागीदारी**

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**शाजापुर।** होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण डॉ. परिक्षित संजयराव झाड़े के मार्गदर्शन में सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों का कौशल विकास एवं क्षमता वृद्धि हेतु 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम होमगार्ड लाइन स्थित आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण केंद्र में डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट विक्रमसिंह मालवीय के नेतृत्व में तथा प्रशिक्षण प्रभारी नम्रता सरावत के कमाण्ड में संचालित किया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट श्री मालवीय द्वारा किया गया। प्रशिक्षण प्रभारी नम्रता सरावत ने अपने उद्बोधन में 7 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को प्रदान किए गए प्रशिक्षण का सारांश प्रस्तुत किया। डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेन्ट ने प्रशिक्षण के जनजीवन में महत्व तथा समाज में सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों की प्राथमिकता एवं



कर्तव्यों पर प्रकाश डाला।

### आपदा प्रबंधन के समय कर्तव्यों के बारे में दी जानकारी

उन्होंने सामाजिक एवं ग्रामीण परिवेश में स्वयंसेवकों की जवाबदेही, आगामी सिंहस्थ के दौरान उनकी भूमिका एवं सहभागिता तथा आपदा प्रबंधन के समय प्रथम नागरिक के रूप में उनके कर्तव्यों के बारे में बताया। प्रशिक्षण में आपदा के समय की जाने वाली कार्यवाही, मेडिकल फर्स्ट रिस्पॉन्डर, बाढ़ के दौरान सहभागिता, आगजनी की स्थिति में कर्तव्य तथा भीड़ प्रबंधन में भूमिका के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों ने भी प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए कौशल एवं प्रशिक्षण से उनमें आए अनुशासन के संबंध में विचार व्यक्त किए। वार्डन सिविल डिफेंस प्रियांश पाटीदार ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रशिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

# सेन थॉम एकेडमी में मनाई गई गुरु नानक देव जयंती

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**देवास।** सेन थॉम एकेडमी, भोपाल रोड में श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ गुरु नानक जयंती मनाई गई। विद्यार्थियों ने भावपूर्ण प्रार्थनाओं, प्रेरणादायक लघु नाटिका एवं मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से गुरु नानक देव को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इन प्रस्तुतियों में उनकी शिक्षाओं– किरत करो, नाम जपो और वंड छको–को प्रभावशाली ढंग से उजागर किया गया।

इस आयोजन ने ईश्वर-स्मरण, ईमानदारी एवं परिश्रमपूर्वक जीवनयापन तथा आपसी प्रेम और बाँटकर खाने की भावना का संदेश दिया। विद्यार्थियों की रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा ने समारोह की शोभा बढ़ाई और पूरे वातावरण को उल्लास एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। इस प्रकार यह आयोजन महान आध्यात्मिक गुरु के प्रति एक अविस्मरणीय श्रद्धांजलि बन गया।




# दीयों की रोशनी से जगमगाए मंदिर, घरों में भी हुई आकर्षक सज्जा

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**शाजापुर।** नगर में एक बार फिर दीपावली सा उत्साह और उल्लास नजर आया और आतिशबाजी से आसमान एक बार फिर जगमगाया। अवसर था देव दीपावली का। जहां लोगों ने दीपकों की रोशनी से घरों को रोशन किया। वहीं इस दिन आकर्षक रंगोली भी बनाई गई। इसके अलावा मंदिरों में भी भगवान को छप्पन भोग लगाकर प्रसादी का वितरण किया गया।

कार्तिक पूर्णिमा का पर्व नगर में धूमधाम



से मनाया गया। इस दिन लोगों ने दीप सज्जा से अपने घरों की सजावट की। इसके बाद शाम को नदी में दीपकों का विसर्जन कर ईश्वर से सुख की कामना की।

नगर में कई जगह आकर्षक दीप सज्जा भी की गई। जो नगर में आकर्षण का केंद्र रही। नगर के महूपुरा स्थित जगदीश मंदिर, मां राजराजेश्वरी मंदिर, भावसार मोहल्ला स्थित मंदिर सहित नगर के कई मंदिरों में आकर्षक दीप सज्जा की गई। वहीं नगर की महूपरा स्थित चीलर नदी पर भी दीप विसर्जन किए गए। इसके लिए लोगों की सुविधा को देखते हुए एक दिन पहले ही नगर पालिका द्वारा घाटों की सफाई करवाई गई जहां देर रात तक महिलाओं ने दीप विसर्जित कर सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं नगर के कई मंदिरों मे प्रभु को छप्पन भोग भी अर्पित किए गए साथ ही उनका आकर्षक श्रृंगार भी किया गया। नगर में देव दीपावली का उत्साह भी दीपावली जैसा ही दिखाई दिखा और इस दिन भी नगरवासियों ने उत्साह के साथ आतिशबाजी कर देव दीवाली पर्व मनाया।

**विवाद** | **सहजयोग के सामूहिक कुंडलिनी जागरण ने आयोजित किया कार्यक्रम**

# आत्मसाक्षात्कार कार्यक्रम में उमड़े सैकड़ों साधक

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**देवास।** परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी के आशीर्वाद एवं असीम कृपा से सहजयोग परिवार, देवास के तत्वावधान में स्थानीय मल्हार स्मृति मंदिर में भजन संध्या एवं सामूहिक आत्मसाक्षात्कार (सेल्फ रियलाइजेशन) कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

आध्यात्मिक एवं भक्तिमय वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में देवास शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में साधकों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के आयोजक जितेंद्र शर्मा ने उपस्थितजनों को कुण्डलिनी शक्ति एवं सहजयोग की महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने साधकों को बताया कि सहजयोग ध्यान के माध्यम से व्यक्ति चिंता मुक्त चेतना, मानसिक शांति, धैर्य, पवित्र सुख एवं प्रसन्नता का अनुभव कर




सकता है।

### व्यक्तित्व का विकास तथा आत्मविश्वास में वृद्धि

सहजयोग से स्वास्थ्य में सुधार, कार्यक्षमता में वृद्धि, आत्मज्ञान के माध्यम से दूसरों के प्रति सहानुभूति, विचारों एवं कार्यों में स्पष्टता, समन्वित व्यक्तित्व का विकास तथा आत्मविश्वास में वृद्धि जैसे अनेक लाभ प्राप्त होते हैं। उन्होंने रोग निवारण, शिक्षा एवं नौकरी सहित जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सहजयोग की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से पधारे प्रसिद्ध गायक श्री आशीष वर्मा ने अपनी मधुर भजन प्रस्तुतियों से समूचे सभागार को भक्तिमय बना दिया। उनकी प्रस्तुतियों ने उपस्थित साधकों एवं नागरिकों को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर कर दिया। इसके पश्चात उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर से आए राजेश सिंह ने परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा प्रतिपादित सहजयोग की सरल ध्यान विधि का मार्गदर्शन किया।

### शांति, आनंद एवं सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति

उन्होंने कुण्डलिनी शक्ति के महत्व को समझाते हुए उपस्थितजनों को सहजयोग ध्यान के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार का अनुभव कराया। इस दौरान सैकड़ों साधकों ने ध्यान विधि के माध्यम से अपने भीतर शांति, आनंद एवं सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति प्राप्त की। कार्यक्रम के समापन पर आयोजक श्री जितेंद्र शर्मा एवं सहजयोग परिवार, देवास ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले समस्त सहजयोगी भाई-बहनों, नव-साधकों तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी नागरिकों का आभार माना।

# पार्किंग विवाद में हथियार लेकर पहुंचे बदमाश, 3 वाहनों में तोड़फोड़

**कर्मचारियों पर पिस्टल तानी, तलवारें लहराईं, जान बचाने छत पर चढ़े कर्मचारी**

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**देवास।** न्यू देवास क्षेत्र में सोमवार रात वाहन पार्किंग को लेकर शुरू हुआ विवाद हिंसक हो गया। आधा दर्जन से अधिक लोग पिस्टल और तलवारें लेकर टॉवर कंपनी के गोदाम पर पहुंचे और कर्मचारियों को धमकाया। आरोपियों ने तीन पिकअप वाहनों में पत्थर मारकर तोड़फोड़ की और उन्हें आग लगाने का प्रयास किया। हमलावरों से बचने के लिए कर्मचारियों को छत पर चढ़कर जान बचानी पड़ी। इस दौरान काफी देर पर हंगामा मचता रहा और लोग दहशत में रहे।

कंपनी कर्मचारी मनीष शर्मा के अनुसार, वे कुछ महीनों से साथियों के साथ क्षेत्र में रहकर टॉवर लगाने का काम कर रहे हैं। सोमवार रात गोदाम के सामने पिकअप वाहन खड़े कर सामान अंदर रखा जा रहा था। इसी दौरान कुछ लोग पहुंचे और पार्किंग को लेकर गाली-गलौज करने लगे। शुरूआती विवाद शांत होने के बाद वे चले गए, लेकिन करीब पांच मिनट बाद हथियारों के साथ लौट आए। कुछ लोग लोडिंग वाहन से भी मौके पर पहुंचे। कर्मचारियों ने दरवाजा बंद कर लिया और जान बचाने के लिए छत पर चढ़ गए।

### हमलावरों ने पिस्टल तानकर धमकाया

आरोप है कि हमलावरों ने पिस्टल तानकर धमकाया और तलवारें लहराईं। इसके बाद तीनों पिकअप वाहनों के कांच और अन्य हिस्सों में पत्थर मारकर तोड़फोड़ की। लकड़ी में आग लगाकर वाहनों को जलाने की कोशिश भी की गई। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें कुछ लोग हथियार लेकर घूमते और धमकाते दिखाई दे रहे हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे।

### पुलिस ने दर्ज किया क्रॉस पर मामला

घटना को लेकर मनीष शर्मा ने रात में ही बीएनपी थाने में शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी प्रीति कटारे ने बताया कि वाहनों की पार्किंग को लेकर विवाद हुआ था और दोनों पक्ष एक-दूसरे को जानते हैं। मामले में क्रॉस कायमी की गई है। पुलिस आगे जांच कर रही है।

### निविदा में खरीदार को मिला कबाड़, मामले के खुलासे के बाद जवाबदेही को लेकर उठ रहे है सवाल

# वन विभाग का जादू! जब्ती के बाद वाहनों के पुर्जे गायब

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**गुना।** जंगलों में अवैध कटाई और लकड़ी के परिवहन पर कार्रवाई करते हुए वन विभाग जिन वाहनों को जब्त करता है, उनकी हालत आखिर बाद में इतनी खराब कैसे हो जाती है कि वे कबाड़ के भाव में भी बिकने लायक नहीं बचते? क्या विभाग के कब्जे में आने के बाद वाहनों के पहिए और पुर्जे खुद-ब-खुद गायब होने लगते हैं?

गुना जिले के आरोन वन परिक्षेत्र से सामने आया एक मामला वन विभाग की जब्ती और राजसात व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। आरोप है कि राजसात किए गए एक वाहन की निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसके कई महत्वपूर्ण पार्ट्स निकाल लिए गए। दिलचस्प बात यह है कि निविदा डालने से पहले खरीदार ने जिस वाहन को अच्छी हालत में देखा था, निविदा स्वीकृत होने के बाद वही वाहन कबाड़ जैसी स्थिति में मिला। यह मामला केवल एक बाइक के पुर्जे गायब होने तक सीमित नहीं है, बल्कि वन विभाग के कब्जे में रखे राजसात वाहनों की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। आखिर जब्ती के समय चालू हालत में रहने वाले वाहन राजसात होने के बाद अपनी उपयोगिता कैसे खो देते हैं? इन वाहनों की देखरेख की जिम्मेदारी किसकी है और निविदा प्रक्रिया के दौरान उनकी स्थिति में बदलाव होने पर जवाबदेही किसकी तय होगी?



#### निविदा स्वीकृत होते ही बदल गई तस्वीर

मामले का खुलासा आरोन वन परिक्षेत्र कार्यालय में रखे वाहन क्रमांक 60 को लेकर हुआ है। फतेहगढ़ निवासी विजय कुमार ने बताया कि उन्होंने 5 अप्रैल को राजसात वाहनों की निविदा प्रक्रिया में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने आरोन वन परिक्षेत्र कार्यालय में रखे वाहन क्रमांक 60 को देखा था। उनके मुताबिक, निरीक्षण के समय बाइक अच्छी हालत में थी और उसके महत्वपूर्ण पार्ट्स मौजूद थे। विजय कुमार ने बताया कि उन्होंने इसी स्थिति को देखते हुए वाहन की निविदा डाली थी। लेकिन जब निविदा स्वीकृत होने के बाद वाहन को देखा तो उसकी हालत बदली हुई मिली। बाइक के कई पार्ट्स निकाल लिए गए थे और वाहन पहले की तुलना में पूरी तरह कबाड़ जैसी स्थिति में पहुंच गया था। खरीदार का सवाल है कि जब वाहन वन विभाग की अभिरक्षा में था तो उसके पार्ट्स किसने निकाले? निविदा प्रक्रिया के दौरान वाहन की जो स्थिति दिखाई गई थी, उसमें बाद में बदलाव कैसे हो गया? यदि वाहन के पार्ट्स निकाल लिए गए थे तो इसकी जिम्मेदारी किस अधिकारी या कर्मचारी की है?

#### जब्ती के समय चालू, राजसात होने के बाद कबाड़ कैसे?

वन विभाग द्वारा जंगलों में अवैध कटाई और लकड़ी के परिवहन के मामलों में दोपहिया और चारपहिया वाहन जब्त किए जाते हैं। बीनागंज, मधुसूदनगढ़ और आरोन क्षेत्र में सागौन की अवैध कटाई के मामले सामने आते रहे हैं। ऐसे मामलों में विभाग कार्रवाई करते हुए लकड़ी के परिवहन में इस्तेमाल किए गए वाहनों को भी जब्त करता है। जानकारी के मुताबिक, जब्ती के समय ये वाहन चालू हालत में होते हैं। कई वाहन ऐसे होते हैं जिनसे चार से पांच क्विंटल तक लकड़ी का परिवहन किया जा सकता है। इसके बाद विभागीय कार्रवाई और निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने पर वाहनों को राजसात किया जाता है। राजसात वाहनों की नीलामी अथवा बिक्री के लिए जिला कार्यालय के माध्यम से निविदा जारी की जाती है।

#### निविदा में स्थिति और सुपुर्दगी के समय की हालत में अंतर

इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण सवाल निविदा प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर है। कोई भी व्यक्ति निविदा में शामिल होने से पहले वाहन की स्थिति देखकर ही उसकी कीमत का आकलन करता है। यदि निरीक्षण के समय वाहन में सभी महत्वपूर्ण पार्ट्स मौजूद हों और बाद में वे गायब मिलें तो खरीदार को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। विजय कुमार का आरोप है कि उन्होंने वाहन की अच्छी स्थिति देखकर निविदा में हिस्सा लिया था, लेकिन निविदा स्वीकृत होने के बाद वाहन के कई पार्ट्स गायब मिले। यदि वाहन के पार्ट्स वास्तव में विभागीय अभिरक्षा के दौरान निकाले गए हैं तो यह गंभीर लापरवाही का मामला हो सकता है। विभाग को वाहन की जब्ती के समय की स्थिति, निविदा से पहले किए गए निरीक्षण और खरीदार को सुपुर्दगी के समय की स्थिति का मिलान करना चाहिए।गुना जिले के बीनागंज, मधुसूदनगढ़ और आरोन क्षेत्र में सागौन की कटाई और लकड़ी के परिवहन से जुड़े मामले समय-समय पर सामने आते रहे हैं। वन विभाग ऐसे मामलों में वाहनों को जब्त कर कार्रवाई करता है। लेकिन जब जब्त किए गए वाहनों के ही पार्ट्स गायब होने के आरोप सामने आने लगें तो विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। वन विभाग के अधिकारियों को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जब्त वाहनों को किस स्थान पर रखा जाता है, उनकी नियमित जांच कौन करता है और राजसात होने के बाद उनके पुर्जों की सुरक्षा के लिए क्या व्यवस्था है। इस मामले में यह भी जांच का विषय है कि वाहन क्रमांक 60 की निविदा के समय और निविदा स्वीकृत होने के बाद उसकी स्थिति में क्या अंतर आया तथा इस दौरान वाहन की निगरानी की जिम्मेदारी किस कर्मचारी के पास थी।

#### पुलिस थानों में भी यही हाल

गुना में जब्त वाहनों के पुर्जे गायब होने की शिकायतें केवल वन विभाग तक सीमित नहीं हैं। जिले के विभिन्न पुलिस थानों में भी लंबे समय से जब्त और खड़े वाहनों की हालत को लेकर सवाल उठते रहे हैं। थानों में रखे-रखे वाहनों के पार्ट्स गायब होने और उनके कबाड़ जैसी स्थिति में पहुंचने की शिकायतें सामने आती रही हैं।

## कुलगुरु के खिलाफ सरकार और राजभवन का सबूत देगी एबीवीपी




मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**गुना।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने गुना स्थित क्रांतिवीर तात्या टोपे विश्वविद्यालय में व्याप्त कथित आर्थिक, प्रशासनिक और वित्तीय अनियमितताओं के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

मंगलवार को गुना में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान परिषद के पदाधिकारियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन और कुलगुरु की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए भ्रष्टाचार के कई संगीन आरोप लगाए। इस पत्रकार वार्ता में मुख्य रूप से एबीवीपी के मध्य भारत प्रांत मंत्री केतन चतुर्वेदी मौजूद रहे।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए परिषद ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय में आउटसोर्स के माध्यम से कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया में नियमों को ताक पर रखा गया है। इसके तहत पूर्व में कार्यरत लेवल-1 की कंपनी को हटाकर मनमाने ढंग से लेवल-2 की कंपनी को आउटसोर्स का जिम्मा सौंप दिया गया। इसके अतिरिक्त, परीक्षा सामग्री की छपाई में गड़बड़ी करने, पारदर्शिता के लिए बने डिजिटल सिस्टम को समाप्त करने और निजी वाहनों के अवैध अधिग्रहण के नाम पर भी बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताएं किए जाने का दावा किया गया है। एबीवीपी ने विश्वविद्यालय के कुलगुरु पर भाई-भतीजावाद का सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने नियमों के विरुद्ध जाकर अपने सगे-संबंधियों और रिश्तेदारों को अतिथि विद्वान के रूप में नियुक्त किया है। पदाधिकारियों ने कड़े शब्दों में कहा कि विश्वविद्यालय में जिस स्तर का भ्रष्टाचार हुआ है, उसके लिए कुलगुरु को सलाखों के पीछे जाना चाहिए।

## गुरु नानक जयंती पर सकल हिंदू समाज ने किया भव्य गुरु पर्व शोभायात्रा का स्वागत

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**अशोकनगर।** सिख धर्म के संस्थापक एवं महान संत, समाज सुधारक गुरु नानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व गुरु नानक जयंती के अवसर पर आज सकल हिंदू समाज द्वारा गांधी पार्क पर गुरु पर्व की विशाल शोभायात्रा का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर सकल हिंदू समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने शोभायात्रा में शामिल पंच प्यारों का माल्यार्पण कर सम्मान किया तथा पुष्पवर्षा कर श्रद्धा एवं भक्ति के साथ स्वागत किया। पूरा वातावरण गुरु महाराज के जयकारों एवं धार्मिक उत्साह से गुंजायमान हो उठा।



इस अवसर पर सकल हिंदू समाज के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने मानवता को प्रेम, समानता, सेवा, सद्भाव और एकता का महान संदेश दिया। उन्होंने समाज को जाति-पाति, ऊंच-नीच और भेदभाव से ऊपर उठकर एक परमात्मा की संतान मानने की प्रेरणा दी।

#### धर्म, संस्कृति और मानवता के लिए अद्वितीय त्याग

उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी द्वारा प्रारंभ की गई गुरु परंपरा ने आगे चलकर धर्म, संस्कृति और मानवता की रक्षा के लिए अद्वितीय त्याग एवं बलिदान का इतिहास रचा। मुगलकाल में सिख गुरुओं ने धर्म और मानवता की रक्षा के लिए जो महान बलिदान दिए, वह इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित हैं। गुरु तेग बहादुर जी का धर्म और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए दिया गया सर्वोच्च बलिदान संपूर्ण समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। गुरु गोविंद सिंह जी और उनके साहिबजादों का त्याग भी हमें धर्म, राष्ट्र और संस्कृति के लिए सर्वस्व समर्पित करने की प्रेरणा देता है।दीपक मिश्रा ने कहा कि सनातन संस्कृति और सिख गुरु परंपरा एक-दूसरे के पूरक हैं। दोनों ही परंपराएं सेवा, समर्पण, त्याग, बलिदान और मानव कल्याण का संदेश देती हैं। हम गुरु नानक देव जी के चरणों में कोटि-कोटि नमन एवं वंदन करते हैं। समाज को गुरु परंपरा के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए इस महान विरासत को आगे बढ़ाना चाहिए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष विकास जैन बल्ली, जिला समरसता प्रमुख राजेश सोनी, जिला व्यवस्था प्रमुख दिनेश चौरसिया, युवा जिला अध्यक्ष राकेश रजक, समाजसेवी प्रमेन्द्र लंबरदार, शर्मा, राकेश कुशवाहा, बलवीर सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## ग्राम सेमरी शाहबाद में नवीन सार्वजनिक गौशाला का शुभारंभ




मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**अशोकनगर।**ग्राम सेमरी शाहबाद में नवीन सार्वजनिक गौशाला का शुभारंभ भव्य धार्मिक आयोजन एवं सुंदरकांड पाठ के साथ किया गया। गौशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर साकेत मालवीय एवं पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी सहित अन्य अतिथियों द्वारा फीता काटकर किया गया।

उल्लेखनीय है कि गौशाला के संचालन की पहल पूर्व सरपंच एवं गौशाला संचालक शिवप्रताप सिंह रघुवंशी द्वारा की गई है। गौशाला के लिए भूमि उपलब्ध कराने एवं निर्माण का संपूर्ण कार्य रघुवंशी द्वारा निजी व्यय से कराया गया है। इस पहल का उद्देश्य निराश्रित एवं बेसहारा गौवंश को सुरक्षित आश्रय एवं बेहतर देखभाल उपलब्ध कराना है।

शुभारंभ अवसर पर सुंदरकांड के भव्य आयोजन के साथ धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं गणमान्य नागरिकों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया, जनपद उपाध्यक्ष अभिषेक यादव, सुधीर रघुवंशी, सतेंद्र कलावत, पूर्व जिला अध्यक्ष उमेश रघुवंशी, धर्मेंद्र रघुवंशी, रामवीर रघुवंशी, सोनू जैन (गौसेवक अशोकनगर), पशुपालन विभाग के उपसंचालक डॉ. सियाराम जाटव, तहसीलदार शाडोरा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अशोकनगर तथा रामवीर सिंह यादव सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, गौसेवक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

## हर महीने 9 व 25 तारीख को गर्भवती महिलाओं की होगी निःशुल्क जांच

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**गुना।** कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निदेशार्नुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में जिले की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान आयोजित किया जाएगा। इसके तहत जिला चिकित्सालय, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक पर गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। अभियान का उद्देश्य हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान कर सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करना है।

## घोड़ाखेड़ा-पाकाखेड़ी लिंबोदा के आम रास्ते पर पुलिया क्षतिग्रस्त

### ग्रामीण कर रहे परेशानी का सामना



मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**राजगढ़।** घोड़ा खेड़ा और पाका खेड़ी लिंबोदा गांव को जोड़ने वाले आम रास्ते पर बनी पुलिया क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुलिया पर गहरा गड्ढा बन जाने के कारण रास्ता बाधित हो गया है। ऐसे में ग्रामीणों को इस मार्ग से निकलने में काफी दिक्कतें हो रही हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, पुलिया की यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। इसे लेकर कई बार प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत कर रास्ते की मरम्मत कराने की मांग की गई, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। पुलिया की स्थिति ऐसी है कि यहां से गुजरने वाले लोगों को सावधानी बरतनी पड़ती है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए यह रास्ता परेशानी का कारण बना हुआ है।

#### दोनों गांवों के बीच का आम रास्ता है

ग्रामीणों का कहना है कि यह दोनों गांवों के बीच का आम रास्ता है, जिसका उपयोग रोजाना ग्रामीण करते हैं। इसके बावजूद पुलिया की मरम्मत नहीं होने से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। अब सवाल यह है कि ग्रामीणों की बार-बार की शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार विभाग इस समस्या पर ध्यान क्यों नहीं दे रहा है? ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पुलिया का शीघ्र निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत कराई जाए, ताकि आम रास्ते पर आवागमन सुचारु हो सके।



## बस पकड़ने निकले परिवार के लिए काल बनी हाईवे की टक्कर

### एहसान की मौत के बाद हर पहलू खंगाल रही पुलिस

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**गुना।** रुठियाई से गुना लौटने की जल्दबाजी और बस पकड़ने की उम्मीद के बीच सोमवार दोपहर नेशनल हाईवे-46 पर ऐसा मोड़ आया, जिसने हड्डीमील के एक परिवार की खुशियां छीन लीं। पीछे से आई एक बाइक की टक्कर में 45 वर्षीय एहसान पारदी की जान चली गई, जबकि उनकी पत्नी पारोबाई और बच्चे घायल हो गए।

घटना के संबंध में जानकारी सामने आई है कि एहसान पारदी और उनकी पत्नी पारोबाई रुठियाई में अपने रिश्तेदारों के यहां गए थे। सोमवार 23 नवंबर की दोपहर करीब 12 बजे दोनों बच्चों के साथ गुना आने के लिए बस पकड़ने के इरादे से रुठियाई से निकले थे। इसी दौरान नेशनल हाईवे-46 पर पीछे से आए एक बाइक सवार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। उन्हें तुरंत गुना जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस हादसे में पारोबाई को भी चोटें आईं। मंगलवार 24 नवंबर को जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। फिलहाल इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यही बना हुआ है कि यह लापरवाही से हुई सामान्य दुर्घटना थी या किसी ने जानबूझकर बाइक को निशाना बनाया। पुलिस ने घटना की जांच तेज कर दी है और फरार बाइक सवार की तलाश के साथ-साथ हादसे के हर संभावित कारण की पड़ताल कर रही है।

## पीपीटी प्रतियोगिता के विजेता 6 प्रतिभागियों को सम्मानित

मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**अशोकनगर।** विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग प्रतियोगिता वर्ष 2027 के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय पीपीटी राउंड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। उन्हे पुलिस अधीक्षक अशोकनगर राजीव कुमार मिश्रा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश द्वारा प्रमाण-पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि जिला स्तरीय पीपीटी प्रतियोगिता का विषय जनजातीय नेतृत्व, प्राकृतिक संसाधन और समावेशी विकासह्व रखा गया था। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों के साथ टॉप-6 प्रतिभागियों को भी अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। खेल विभाग के अरुण रघुवंशी द्वारा जानकारी दी गई कि जिला स्तर पर चयनित श्रेष्ठ छह प्रतिभागी अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अशोकनगर जिले का प्रतिनिधित्व कर अपनी प्रतिभा एवं क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। इनमें कुमारी सुरक्षा रघुवंशी, इंद्रेश डांगी, देव शर्मा, कुमारी राशि शर्मा, कुमारी गुड़िया अहिरवार एवं निशित साहू शामिल हैं।



इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक मिश्रा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कनेश द्वारा सभी विजेता एवं चयनित प्रतिभागियों को बधाई देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दी गईं। अधिकारियों ने युवाओं की प्रतिभा, रचनात्मक सोच एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी सकारात्मक सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि युवा देश के भविष्य हैं तथा उनकी नवाचारपूर्ण सोच एवं सक्रिय भागीदारी विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।उक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. रेनू राजेश, प्राचार्य नेहरू महाविद्यालय, डॉ. दीक्षा भट्ट, डॉ. अंजना गुप्ता एवं डॉ. हिमांशी गंगवार का विशेष योगदान रहा।

## विशाल नि:शुल्क नेत्र शिविर संपन्न




मृदुभाषी, सिटी रिपोर्टर

**अशोकनगर।** करुणा निधि सेवा समिति का निःशुल्क नेत्र शिविर सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के सहयोग से, राष्ट्रीय अनधन्तव निवारण के अंतर्गत रोटरी भवन में संपन्न हुआ। करुणा निधि सेवा समिति के अध्यक्ष माधव सिंह रघुवंशी, ने बताया कि इसमें 161 मरीजों की जांच और 87 को चिन्हित कर भोजन कराकर, सतगुरु नगर बस द्वारा निःशुल्क भेजा गया। करुणा निधि सेवा समिति प्रत्येक माह के चौथे मंगलवार को निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन कराती है। इसमें रोटरी का विशेष सहयोग रहा डॉक्टर शिवगनेश, एवं डॉक्टर दीपक पटेल ने अपने सहयोगियों द्वारा अपनी सेवाएं दी।




स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक- जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) 452011 से प्रकाशित। संपादक-राघवेंद्र*।
आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117, फोन- 0731 3144237, मो. 83570 89000, Email-mradubhashi.news@gmail.com। समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)